# पर्यावरण मित्र
## Friends of Environment

Issue#13 November 2015 | अंक#१३ नवंबर, २०१५

नभ रहे नीला,
धरा धानी रहे
विशेषांक

# पर्यावरण मित्र
Friends of Environment

## INDEX

## विषय सूची


President's Message ..... 03

अध्यक्ष का संदेश ..... 03

**Pure Water & Clean Air**

**निर्मल जल और साफ हवा**

World Anti Tobacco Day ..... 04 - 07

Awareness on Holi ..... 08

Deepawali Awareness ..... 09

World Water Day & World Forest Day ..... 10 - 11

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस ..... 04 - 07

होली पर जागरूकता ..... 08

दीपावली जागरूकता..... 09

वन एवं जल संरक्षण चेतना अभियान..... 10 - 11

**Organic Fertility**

**(Forest)**

**जैविक धरती उर्वरा**

**(वन)**

World Earth Day ..... 12 - 13

World Environment Day..... 14 - 16

Van Mahotsava -Tree Plantation-2015..... 17 - 19

Necueco farming

11TH Paryavaran Mitra foundation's Day..... 20 - 25

Van Darshan ..... 26 - 27

पृथ्वी बचाओ अभियान ..... 12 - 13

पर्यावरण संरक्षण अभियान..... 14 - 16

वन महोत्सव–वृक्षारोपण–अभियान 2015..... 17 - 19

अमृत कृषि

(11वां पर्यावरण मित्र स्थापना दिवस)..... 20 - 25

वन दर्शन–जन शिक्षण अभियान ..... 26 - 27

**Organic Farming**

**जैविक खेती**

Kishan Chaupal ..... 28

Organic Farming Plot Project..... 29

किसान चौपाल ..... 28

जैविक खेती परियोजन..... 29

**Awarness**

**जागरूकता अभियान**

Jaivik Mela - Shikohabad & Mumbai ..... 30 - 31

Orgenic grains & fruits (Lemon & Til)..... 32 - 33

जैविक मेला – शिकोहाबाद एवं मुम्बई ..... 30 - 31

जैविक अनाज और फल (नीबू और तिल) ..... 32 - 33

**Miscellany**

**विविधा**

Activities Observation by Imp. Person..... 34 - 38

Mumbai Marathon & New Year Welcome Rally .... 39

महत्वपूर्ण व्यक्तियों द्वारा गतिविधियों का अवलोकन .... 34 - 38

मुंबई मैराथॉन और नववर्ष स्वागत यात्रा ..... 39

**Paryavaran Mitra**

**पर्यावरण मित्र**

Paryavaran Mitra - Activities, Awareness Campaigns & Contacts ..... 40

पर्यावरण मित्र – गतिविधियां, जागरूकता अभियान और सम्पर्क ..... 40



**For suggestions and information contact:**
Kiran Bajaj - President, Phone: 022-22182139, 22185933,
Fax: 022-22189075, E-mail: ksb@bajajelectricals.com
Phone: 05676-234018, Fax: 05676-234018, 234300
**E-mail: pmhoskb@gmail.com**

**अतिरिक्त सुझाव व जानकारी के लिए :**
किरण बजाज – अध्यक्ष, फोन : ०२२–२२१८२१३९, २२१८५९३३
फैक्स : ०२२–२२१८९०७५, ई–मेल : ksb@bajajelectricals.com
फोन : ०५६७६–२३४०१८, फैक्स : ०५६७६–२३४०१८,२३४३००
**ई–मेल : pmhoskb@gmail.com**

**Website: www.paryavaranmitra.org**

## President's Message — अध्यक्ष का संदेश

I was blessed with a beautiful grandson on July 31; in this 11th year of Paryavaran Mitra. We chose the name 'Vanraj' for our unique gift from Nature. Here is a small offering from little Vanraj for to all:

I am little Vanraj!
Prince of Nature

I plead you to protect our environment.

Let our lives be filled with by trees
Let us be surrounded by fragrant breeze
The rivers, let them flow softly, big or small
Let the mountains gift us the waterfall
Let flowers and fruits abound in our gardens
And green fields extend till the horizon

A rainbow, let there be, etched on the blue skies eternally

In every being let Nature weave its beauty and love story

I bow humbly to all in praise and glory.

If our present generation takes heed of Vanraj's appeal, the future generation will have a lot to thank us for. This edition of our magazine is dedicated to purifying every atom of our environment.

Kiran Bajaj

पर्यावरण मित्र के 11वें स्थापना वर्ष में 31 जुलाई 2015 को गुरू पूर्णिमा के अवसर पर मुझे पौत्ररत्न की प्राप्ति हुई। प्रकृति के इस अनुपम नन्हें उपहार का नाम हमने 'वनराज' रखा। वनराज के जन्मोत्सव पर उनकी ओर से एक छोटी सी विनती समर्पित है:

मैं नन्हा सा वनराज!
हूँ प्रकृति का युवराज।।

पर्यावरण बचाने करता हूँ विनती हजार।

वृक्षों से भर दें, हमारा संसार
पवन बहे चहुँदिशा, साफ–खूशबूदार
नदियों में हो निर्मल, धार बेशुमार
पर्वतों से मिले झरनों का उपहार
बाग–बगीचों में हों फल–फूल के अम्बार
धरती पर हों हरे–भरे खेतों की बहार

नीले नभ पर खींचें हों इन्द्रधनुष साकार

प्रकृति का ऐसा सुन्दर हो श्रृंगार
जहां हर जीवधारी का हो एक दूजे से प्यार

मैं नतमस्तक हो करता हूँ
सबकी जय–जयकार!

उपरोक्त विनती को वर्तमान पीढ़ी ने स्वीकार कर यदि कार्य किया तो वनराज की पीढ़ियां हमें धन्यवाद देगी।

प्रकृति का कण–कण अमृत बनाने में अमृत जल, अमृत मिट्टी एवं अमृत कृषि तक की यात्रा को समेटे यह अंक ....

किरण बजाज

## विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर जागरूकता पखवाड़ा

### प्रभावी कार्यक्रमों के आयोजन के बारे में पत्र प्रेषण

पर्यावरण मित्र ने फिरोजाबाद जनपद के सभी विद्यालयों एवं महाविद्यालयों को तम्बाकू एवं नशा निषेध के बारे में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को जागरूक करने के उद्देश्य से संस्था अध्यक्ष की ओर से एक पत्र प्रेषित किया, जिसमें शैक्षणिक संस्थाओं से निम्नाकिंत प्रभावी आयोजनों के बारे में अपील की गई:

- तम्बाकू एवं नशा से होने वाली हानियों तथा उससे बचाव के लिए उपायों के बारे में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए कार्यशालाओं का आयोजन करें।
- प्रत्येक स्कूल, कॉलेज, सामाजिक संस्थाएं, परिवार आदि मिलकर सरकार पर तम्बाकू निषेध को लेकर दबाव बनाएं।
- सार्वजनिक स्थानों एवं शैक्षणिक संस्थानों के आसपास तम्बाकू न बेचा जा सके, न ही कोई सिगरेट आदि पी सके इसके लिए मुहिम चलाएं।
- 18 साल से कम उम्र के बच्चों को यह किसी भी तरह से उपलब्ध न हो इसके लिए भी अपने स्तर पर पहल करें।

## फिरोजाबाद एवं मैनपुरी जनपद के विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में छात्रों व शिक्षकों के मध्य विभिन्न कार्यक्रम

पर्यावरण मित्र एवं सिरसागंज के ब्राइट स्कालर्स अकेडमी, इन्दिरा मैमोरियल सी.सेकेण्डरी स्कूल, रामशरण विद्या निकेतन, मैनपुरी के सुदिति ग्लोबल अकेडमी एवं शिकोहाबाद के शान्ति देवी आहूजा महाविद्यालय, मधु माहेश्वरी कन्या विद्यालय, यंग स्कालर्स एकेडमी, मॉं अन्जनी इस्टीट्यूट ऑफ एजूकेशन आदि के संयुक्त तत्वावधान में विद्यालय एवं महाविद्यालयों के लगभग 7000 छात्र–छात्राओं एवं शिक्षकों के मध्य पॉवर प्वाइंट प्रस्तुतिकरण कर तम्बाकू से होने वाली हानि एवं बचने के उपायों के बारे में विस्तार से बताया गया। छात्र–छात्राओं ने अपने विचार भी प्रकट किए और इन बिन्दुओं पर जिज्ञासा प्रकट की।

'तम्बाकू एवं नशा से होने वाले दुष्प्रभाव एंव उसके निराकरण के उपाय' विषय पर पेन्टिंग का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों में उत्साह के साथ अपनी भागीदारी की। तम्बाकू एवं नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए शिक्षकों एवं छात्र–छात्राओं को शपथ दिलायी गयी।

शान्ति देवी आहूजा महाविद्यालय की प्राचार्या डा. लतिका सिंह ने कहा शिक्षक एवं छात्र ऐसी सामाजिक बुराइयों से लड़ने में अपनी अहम् भूमिका अदा करेंगे। मधु माहेश्वरी की प्रधानाध्यापिका श्रीमती रेखा गुप्ता ने कहा कि 'पर्यावरण मित्र' द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान से शिक्षकों एवं भविष्य में निर्मित होने वाले शिक्षक इस सामाजिक बुराई को जड़ से समाप्त करने में सहायक सिद्ध होंगे।

The students taking oath to refrain from tobacco use.

तम्बाकू प्रयोग न करने के लिए छात्र–छात्राओं द्वारा शपथ ग्रहण।

डा. ए. के. आहूजा ने तम्बाकू के प्रति शिक्षक संवेदीकरण कार्यक्रम में वक्तव्य देते हुए कहा कि तम्बाकू आदमी को गुलाम बना देती है। यह गले एवं दाँतों को पूरी तरह से खराब कर देती है। सुदिति ग्लोबल अकेडमी मैनपुरी के निदेशक डा. राममोहन ने कहा कि आज विश्व में नशीले पदार्थों का सेवन करने के कारण ही तरह–तरह के रोग उत्पन्न हो रहे हैं, जिनके परिणाम स्वरूप हंसती–खेलती जिंदगियां काल के गाल में समा जाती हैं। ब्राइट स्कालर्स अकेडमी के प्रबन्धक संजय शर्मा एवं प्रवेश सिंह ने कहा कि तम्बाकू एवं नशाखोरी हमारे समाज के लिए अपराध है। हम सब मिलकर इसके खिलाफ समाज को जागरूक करेंगे। इन्दिरा मैमोरियल सी. सेकेण्डरी की प्रधानाध्यापिका श्रीमती मिथलेश राना ने कहा कि हमारा विद्यालय तम्बाकू एवं नशा निषेध के निराकरण के लिए सतत तैयार रहेगा।

## विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर विषयक संगोष्ठी

पर्यावरण मित्र, यंग स्कालर्स एकेडमी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण–फिरोजाबाद संयुक्त तत्वावधान में नगर को तम्बाकू मुक्त बनाने का संकल्प लेते हुये दिनांक 30 मई 2015 को यंग स्कालर्स एकेडमी में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में एक ठोस कार्यवाही के उद्देश्य से संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी के अध्यक्ष फिरोजाबाद के अपर जिला जज एस.एस. यादव ने कहा कि आज के युवाओं में जो तम्बाकू जैसी बुराइयां पैदा होती हैं, वह बचपन में ठीक से देखभाल न करने की वजह से होती हैं। सीनियर डिवीजन के सिविल जज सी.वी. सिंह ने कहा कि हम लोगों को सामाजिक बुराइयों के खिलाफ निरन्तर जागरूक करते रहना चाहिए जिससे समाज को प्रेरणा मिल सके।

वरिष्ठ चिकित्सक एवं बाल रोग विशेषज्ञ डा. वी. के. जादोंन ने कहा कि पहले वह खुद तम्बाकू का सेवन करते थे और उनके नाती के कहने पर उन्होंने तम्बाकू का सेवन बंद कर दिया। दन्त रोग विशेषज्ञ डा. दीपाली अग्रवाल ने कहा कि कैंसर को जन्म देने वाली तम्बाकू एवं नशीले पदार्थों का सेवन नहीं करना चाहिए। इससे दाँत और मसूड़े भी सड़ जाते हैं।

डा. ए.के. आहूजा ने कहा कि वह अधिक से अधिक लोगों को तम्बाकू सेवन न करने के लिए जागरूक करेगें। तम्बाकू का सेवन न करने के लिए शपथ दिलाई। वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति के अध्यक्ष मदन गोपाल ने कहा कि यह नेक कार्य है इसमें हम सभी को योगदान करना चाहिए। 'कल्पतरू जीवन फाउण्डेशन' के अध्यक्ष राजेश गुप्ता ने कहा कि

International No-Tobacco Day Seminar - Addl. Dist. Judge SS Yadav addressing the participants.

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस संगोष्ठी पर बोलते अपर जिला जज एस.एस. यादव।

Dr. A.K. Ahuja sharing his views in International No-Tobacco Day seminar.

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस संगोष्ठी में विचार व्यक्त करते डा. ए. के. आहूजा।

The dental specialist expressing her views.

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस संगोष्ठी में विचार व्यक्त करतीं दंत रोग विशेषज्ञ।

A paediatrician making his points.

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस संगोष्ठी में बोलते बालरोग विशेषज्ञ।

International No-Tobacco Day Seminar- a group photo.

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर आयोजित संगोष्ठी का समूह छायांकन।

टी.वी., चैनलों पर चल रहे प्रचार में पान मसाला इत्यादि के विज्ञापन आते हैं कि 'दाने–दाने में है केसर'। इस तरह के विज्ञापनों के प्रचार पर रोक लगानी चाहिए। अरविन्द तिवारी ने अपने व्यंग्य के माध्यम से तम्बाकू पर प्रहार करते हुए अपनी रचना प्रस्तुत की।

## विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर पर्यावरण मित्र ने लगाई चित्र प्रदर्शनी

पर्यावरण मित्र एवं यंग स्कालर्स एकेडमी के संयुक्त तत्वाधान में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा तैयार किये गये तम्बाकू से होने वाले दुष्परिणामों एवं उसके उपायों को प्रदर्शित करके चित्रों की प्रदर्शनी लगाई गई। इस प्रदर्शन का शुभारम्भ सिटी मजिस्ट्रेट फिरोजाबाद रवीन्द्र कुमार ने किया। उन्होंने चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए कहा कि पर्यावरण मित्र द्वारा तम्बाकू एवं नशा के निषेध के लिए किए जा रहे कार्य सराहनीय हैं।

प्रदर्शनी में पालीवाल महाविद्यालय के 5 यू.पी. एन.सी.सी. बटालियन के कैडेटों ने अपनी सहभागिता कर नगर के विभिन्न प्रतिष्ठानों पर जाकर लोगों से मिलकर तम्बाकू छोड़ने की अपील की और पर्यावरण मित्र द्वारा प्रसारित किए जा रहे पत्रक को वितरित किया। पर्यावरण मित्र और एन. सी.सी. द्वारा किए गए जागरूकता अभियान 80 प्रतिशत लोगों ने कहा कि सरकार तम्बाकू के उत्पादन पर रोक लगाए तभी तम्बाकू का सेवन बंद हो सकता है।

25 मीटर लम्बी इस प्रदर्शनी में शिकोहाबाद के शान्ति देवी आहूजा, मधु माहेश्वरी, यंग स्कालर्स अकेडमी, मां अंजनी इंस्टीट्यूट, सिरसागंज के ब्राइट स्कालर्स अकेडमी, इन्दिरा मैमोरियल, रामशरण विद्या निकेतन एवं मैनपुरी के सुदिती ग्लोबल अकेडमी इत्यादि विद्यालयों में पेन्टिंग करायी गयी। इस पेन्टिंग प्रतियोगिता में लगभग 7000 बच्चों ने भाग लिया।

Painting Competition among various school students.

विभिन्न विद्यालयों में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में पेन्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन।

A group-photo of participating school students.

चित्र प्रदर्शनी के दौरन समूह छायांकन।

City Magistrate Ravindra Singh inaugurating the painting exhibition.

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर चित्र प्रदर्शनी का शुभारम्भ करते सिटी मजिस्ट्रेट रविन्द्र सिंह।

District Legal Advisory Board, Ferozabad in the Seminar on Anti Tobacco.

चित्र प्रदर्शनी के दौरान संगोष्ठी।

Exhibits in the painting exhibition.

चित्र प्रदर्शनी कार्यक्रम के चित्र।

## World Anti-Tobacco Day

Date- May 18, 2015 | Venue: Schools and colleges in Firozabad and Mainpuri

An awareness fortnight was organized as part of World Anti-Tobacco Day.

Some of the highlights were:

- A letter of request to put pressure on the government to ban tobacco products, stop selling and use of cigarettes and paan next to colleges and community areas and make sure that tobacco products are not made available to persons under the age of 18.
- The Awareness Fortnight reached out to schools and colleges through effective anti–tobacco power point presentations, painting contests, workshops with teachers and an anti-tobacco pledge gathering. A painting exhibition was also organized for this occasion. Many schools, colleges, teachers and dignitaries of the region attended the event. Paryavaran Mitra reached out to thousands of students and teachers to promote the anti tobacco campaign through the above mentioned initiatives.

# पर्यावरण मित्र ने प्रेम एवं सौहार्द के साथ होली मनाने का किया आहवान

प्रतिवर्ष होली मनाने को लेकर पर्यावरण मित्र द्वारा एक कथानक तथा संकल्प लिया जाता है। इस वर्ष यह 'प्रेम एवं सौहार्द के साथ होली' था। इसके अंतर्गत प्राकृतिक रंगों से होली खेलने, हरे पेड़ों को न काटने एवं जलाने तथा पटाखों का प्रयोग न करने के अपने पूर्व संकल्प को भी जन–जन में प्रसारित किया। लोगों को प्राकृतिक रंगों को बनाने की विधि के बारे में जानकारी दी गई।

Kiran Bajaj in Hind Parisan on Holi.

होली के अवसर पर किरण बजाज हिन्द परिसर में।

A girl of the Parisar in Radhika costume.

राधिका की वेशभूषा में हिन्द परिसर की एक बालिका।

Kiran Bajaj celebrating Holi with natural colours.

प्राकृतिक होली के रंग में रंगी किरण बजाज।

## PM celebrates Holi with love and compassion

Paryavran Mitra selects a theme to celebrate Holi every year. This year our theme was "Holi with love and compassion." This took priority and we celebrated with natural colours and chose not to cut down trees. It was also decided not to burn wood or use fire crackers. Information about how to make natural colours was distributed.

Paryavaran Mitra organised posters with key messages in schools, colleges, banks and hospitals in Ferozabad.

The e-card prepared for this occasion was widely distributed via email to members, social organisations, educational institutions, journalists and others.

## क्या आपको पता है–
## प्रतिवर्ष दीपावली में क्या-क्या होता है..?

पर्यावरण मित्र
Friends of Environment
www.paryavaranmitra.com

- पटाखों से जलने के कारण भारत में असंख्य दर्दनाक दुर्घटनाएं एवं मौतें हो जाती हैं.
- पटाखों की वजह से बच्चों एवं जनसामान्य को खतरनाक अपंगता अंधापन, बहरापन ,दिल का दौरा हो जाता है तथा दमा और फेफड़े आदि की बीमारियां होती है.
- भारत जैसे गरीब देश में करोड़ो रुपए, पटाखे जलाने में स्वाहा हो जाते हैं तथा भयंकर रुप से जानमाल की हानि होती है.
- असुरक्षित स्थान और गैरकानूनी पटाखा कारखानों में बाल मजदूरी कराई जाती है, जिसमें हजारो गरीब बच्चे मर जाते हैं और अपंग हो जाते हैं जो कि क्रूर ,गैर कानूनी एवं बाल हत्या हैं.
- पटाखों के कारण हवा–पानी–जमीन विषाक्त होते हैं तथा वैश्विक तपन में वृद्धि होती हैं जिससे पशु–पक्षियों सहित अन्य जीवधारियों तथा पेड़–पौधों पर भयंकर दुष्प्रभाव पड़ता है.

**क्या यह सब जानते हुए भी आप पटाखों का इस्तेमाल करेगें ? अपने घर की लक्ष्मी को स्वाहा करेगें ? दुर्घटनाओं और बीमारियों को निमंत्रण देगें ? पर्यावरण मित्र का सविनय आग्रह– पटाखे खरीदने एवं जलाने में अपना धन स्वाहा करने की बजाय,उसे बालहित और प्रकृति संरक्षण के नेक काम में लगाएं.**

**पर्यावरण के शत्रु नहीं, मित्र बनें.**
**वर्तमान और भावी पीढ़ी की रक्षा करें**

### Did you know what happens during Diwali?

- Deaths and wounds caused during burning of firecrackers
- Deafness, loss of limbs, blindness, heart attacks and ashthma caused due to firecrackers
- A waste of crores of rupees that are spent on fireworks in country like India
- Child labour in illegal firework factories. Deaths and injury to many children and workers.
- Pollution of air, noise, water and soil all caused by fireworks. Irreversible damage to trees and other animals.

Do you enjoy lighting fire crackers in spite of knowing the damage it causes? Paryavaran Mitra requests you not to set fire to your hard earned money that destroys the environment and harms humankind?

# विश्व वन दिवस एवं विश्व जल दिवस पर सैकड़ों छात्राओं ने ली प्राकृतिक संसाधनों को संरक्षित रखने की शपथ

पर्यावरण मित्र एवं बी.डी.एम. डिग्री कालेज, शिकोहाबाद के संयुक्त तत्वाधान में विश्व वन एवं जल दिवस पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। शपथ ग्रहण, पेन्टिंग, पॉवर प्वाइंट प्रजेन्टेशन मुख्य माध्यम थे।

कार्यक्रम का शुभारम्भ 'वन और जल संरक्षण की महत्ता' विषय पर चित्र–कला प्रतियोगिता से किया गया। सैकड़ों छात्राओं ने विभिन्न समूहों में विभाजित होकर पेन्टिंग प्रतियोगिता में भाग लिया। पेन्टिंग के माध्यम से वनों को कटने से बचाने एवं स्वच्छ जल के संरक्षण एवं प्रयोग करने का संदेश दिया।

'फिल्म प्रभाग' द्वारा निर्मित वृक्ष संरक्षण पर बना लघु वृत्तचित्र ''सेव द ट्री'' का प्रदर्शन छात्राओं के मध्य किया गया। फिल्म में प्रदर्शित किया गया कि लघु वनों का निर्माण ग्लोबल वार्मिंग को रोकने में सहायक सिद्ध हो रहे हैं तथा जैवविविधता की बढ़ोतरी हो रही है।

पेन्टिंग प्रतियोगिता के बाद कचरा प्रबन्धन एवं खाद बनाने की विधियों का प्रत्यक्ष प्रदर्शन किया गया, जिसमें छात्राओं ने उत्साह के साथ प्रशिक्षण प्राप्त किया। छात्राओं एवं शिक्षिकाओं ने नाडेप कम्पोस्टिंग करने के विधि की करके देखा एवं समझा।

राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं ने बी.डी.एम. महाविद्यालय के सामने हरित पट्टिका हेतु लगाए जाने वाले पौधों के लिए गढ्ढे खोदकर व खाद डालकर श्रमदान किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शमामा मिर्जा, एवं संयोजन डा. दर्शना कुमारी ने किया।

CMD of Bajaj Electricals, Shekhar Bajaj planting a sapling with wife Kiran Bajaj.

पौधा रोपण करते बजाज इलेक्ट्रिकल्स के चेयरमैन शेखर बजाज एवं पर्यावरण मित्र अध्यक्ष किरण बजाज।

Girl students taking oath to conserve natural resources.

प्राकृतिक संसाधनों को संरक्षित रखने की शपथ लेती छात्राएं।

Girls giving final touches to their creatives.

पेन्टिंग को अन्तिम रूप देती छात्रा।

Students displaying their paintings.

पेन्टिंग प्रतियोगिता में छात्राएं।

## 'लघु वनों का निर्माण कर ग्लोबल वार्मिंग को रोकें'

अमर उजाला ब्यूरो

**शिकोहाबाद।** पर्यावरण मित्र संस्था एवं बीडीएम गर्ल्स महाविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में बीडीएम कालेज में पेंटिंग, पॉवर पॉइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से 'फिल्म प्रभाग' एवं पर्यावरण संरक्षण पर आधारित दृश्य-श्रव्य का प्रदर्शन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ एनएसएस की छात्राओं ने पौधों के लिए गड्ढे खोदकर एवं उसमें खाद को डालकर किया। छात्राओं ने स्वच्छ जल एवं वनों को सुरक्षित रखने, पेड़ लगाने, नदियों को साफ रखने की शपथ ली। स्नातक स्तर की 22 छात्राओं ने दस समूहों में विभाजित होकर पेंटिंग प्रतियोगिता में भाग लिया। छात्राओं ने पेंटिंग के माध्यम से वनों को कटने से बचाने एवं स्वच्छ जल रखने का संदेश दिया। पावर पॉइंट प्रजेंटेशन द्वारा 'फिल्म प्रभाग' द्वारा छात्राओं के बीच दर्शाया गया कि किस तरह हम लघु वनों का निर्माण कर ग्लोबल वार्मिंग को रोक सकते हैं। इस अवसर पर बजाज इलेक्ट्रिकल्स के चेयरमैन शेखर बजाज एवं पर्यावरण मित्र अध्यक्ष किरण बजाज ने हिन्द परिसर स्थित सुमन बगिया में केसिया चाई फ्लोरा एवं जमनालाल अरण्य में बेल के पौधे रोपित किए। पेंटिंग प्रतियोगिता में ऋचा माथुर, नेहा सोनी, चंचली मिश्रा अपने ग्रुप के साथ प्रथम स्थान पर रहीं। वहीं शैलजा, रश्मि ने अपने ग्रुप के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया। अकेले पेंटिंग करने वाली छात्रा साक्षी अग्रवाल तृतीय स्थान पर रहीं। कार्यक्रम में एनएसएस अधिकारी डा. शमामा मिर्जा, डा. दर्शना कुमारी, पर्यावरण मित्र से शशिकांत, मोहित जादौन, पुष्पेंद्र शर्मा, डा. सत्यवीर सिंह आदि उपस्थित थे।

बीडीएम कालेज में हुआ कार्यक्रम का आयोजन

## वन को सुरक्षित रखने का लिया संकल्प

छात्राओं ने गड्ढे खोदकर किया श्रमदान

## प्राकृतिक संसाधनों को संरक्षित करने की ली शपथ

कार्यक्रम

- बीडीएम डिग्री कॉलेज में पर्यावरण मित्रसंस्था ने आयोजित किया पर्यावरण संरक्षण पर कार्यक्रम

**Paryavaan Mitra and B.D.M Degree college jointly hosted a programme to celebrate World Water Day and World Forest Day.**

The events covered oath taking, painting, power point presentation, a film and an audio visual presentation to highlight the need to conserve natural resources.

Hundreds of students participated in the painting contest and displayed their talents to capture the importance of saving trees and conserving water.

A short film produced by Film Prabhag and titled, Save the Tree was screened. This film centred around the creation of mini forests to curb global warming.

A session on Waste Management was held along with a demonstration of how to prepare natural fertiliser. Another session covered the importance of keeping our water bodies clean and focussed on planting more trees.

N.S.S students from B.D.M. college dug spots for trees to be planted and filled it with natural fertilisers.

Dr Shamama Mirza and Dr. Darshana Kumari were present from the N.S.S. to preside over the programme.

# विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर पर्यावरण मित्र द्वारा आयोजित कार्यक्रम

## पौधशाला में कार्यशाला

हिन्द परिसर स्थित पौधशाला में नारायण महाविद्यालय के विद्यार्थियों को कार्यशाला कर गमला भरने के लिए मिश्रण तैयार करना,मिश्रण तैयार करने की विधि,टिप कटिंग,कलम लगाना, क्यारी तैयार करना, क्यारी में बीज लगाना,नर्सरी तैयार करना आदि का व्यावहारिक प्रदर्शन कर जानकारी दी गई। विश्व पृथ्वी दिवस पर छात्र–छात्राओं ने कार्यशाला के माध्यम से नए पौधे तैयार करने एवं उन्हें रोपित करने का ज्ञान अर्जित किया।

## मिट्टी परीक्षण, जैविक खाद एवं कीटनियंत्रक विधियों का प्रशिक्षण

मिट्टी प्रशिक्षण सत्र की अध्यक्षता करते हुए नारायण महाविद्यालय के प्राचार्य वी.के. सक्सैना ने कहा कि इस बार की प्राकृतिक आपदा ने फसलों का बहुत नुकसान किया है। इस प्रकार की प्राकृतिक आपदाएं पर्यावरण एवं मानव जीवन दोनों के लिए बहुत ही हानिकारक हैं।

पर्यावरण मित्र द्वारा प्रकाशित ''जैविक खाद एवं कीटनियंत्रक प्रयोग एवं उपयोगिता'' पुस्तिका शिक्षकों एवं छात्र–छात्राओं में वितरित की गई।

## विश्व पृथ्वी दिवस पर बी.डी.एम.म्यू. कन्या महाविद्यालय के सामने हरित पट्टिका का निर्माण

पर्यावरण मित्र एवं बी.डी.एम. डिग्री कालेज कें संयुक्त तत्वावधान में बी.डी.एम.म्यू कन्या महाविद्यालय के सामने गन्दगी युक्त स्थान में विभिन्न प्रकार की प्रजातियों के पेड़–पौधे लगाकर हरित पट्टिका का निर्माण किया गया। हरित पट्टिका कार्यक्रम का उदघाटन श्री रविन्द्र सिंह–एस.,डी.एम. शिकोहाबाद, श्री रामप्रकाश नेहरू–चेयरमैन, शिकोहाबाद, डॉ. ए.के. आहूजा, शिकोहाबाद, डॉ. कान्ता श्रीवास्तव–प्राचार्य, बी.डी.एम. म्यू कन्या महाविद्यालय, शिकोहाबाद ने किया। गन्दे क्षेत्र को ठीक कराकर, मधुकामिनी हैज, मीठा नीम, हरसिंगार, चांदनी, गुड़हल, कनेर इत्यादि प्रजातियों के पौधे लगाकर हरित पट्टिका का निर्माण किया गया है।

A group photo on the occasion. समूह छायांकन।

City Magistrate Ravindra Singh, President of Municipal Committee BB Mukhopadhyaya and Dr. AK Ahuja planting a sapling.

पौधो रोपण करते सिटी मजिस्ट्रेट रविन्द्र सिंह, बी.बी. मुखोपाध्याय, अध्यक्ष नगरपालिका, प्राचार्या एवं डा. ए.के. आहूजा।

The City Magistrate, Municipal Committee President and the Principal of BDM Girls College inaugurating the Green Belt near the College.

बी.डी.एम. कन्या महाविद्यालय के पास हरित पट्टिका का शुभारम्भ करते सिटी मजिस्ट्रेट नगरपालिका अध्यक्ष एवं प्राचार्या।

## ग्लोबल वार्मिंग पूरी मानव जाति के लिए खतरा

अमर उजाला ब्यूरो

नव सृजित बालिका उद्यान में पौधरोपण करते अतिथि।

### पर्यावरण को शुद्ध बनाए रखने का लिया संकल्प

## ग्लोबल वार्मिंग देश के लिए खतरा

### पर्यावरण को स्वच्छ बनाने की जिम्मेदारी हम लोगों की: एसडीएम

## पौधारोपण कर मनाया अर्थ-डे

कल्पतरु समाचार सेवा

### बेकार जमीन को बनाया सुंदर बालिका उद्यान

## विश्व पृथ्वी दिवस पर किया पौधरोपण

---

**Paryavaran Mitra hosted a variety of events to celebrate World Earth Day.**

Students of Narayan College visited the nursery at Hind Parisar to learn how to mix soil for pot plants, tip cutting, grafting, seed planting and other activities in a very informative workshop. A bhoomi Pooja was offered at the Amla Vatika by officials, professors and students of the college.

A session was offered to students about the methods involved in inspection of soil, making of organic fertiliser and pest control. Knowledgeable teachers of these subjects including experts from Parayavran Mitra were on the panel. The devastation caused by natural disasters was highlighted and Dr V.K. Saksena urged every single individual to get involved in environmental protection.

The sessions held by Paryavran Mitra encouraged the students and created a heathy curiosity about the relevant topics. A book that covered Organic fertilizers and pest control methods was distributed to the students. This has been published by Paryavaran Mitra.

Paryavaran Mitra and students of B.D.M.U. college created a green belt on the outskirts of the college. The area which was initially coveredin garbage and filth was replaced with beautiful plants.

# हरित पट्टिका में लगाए गए पुष्प के सैकड़ों पौधे

पर्यावरण मित्र ने हिन्द लैम्पस के सहयोग से विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में माधौगंज स्थित हिन्द लैम्पस् की वाहरी दीवार के किनारे मुख्य बटेश्वर मार्ग पर हरित पट्टिका का निर्माण किया।

हिन्द लैम्प्स के एवं बजाज इलेक्ट्रिकल्स के चेयरमैन शेखर बजाज ने गुलमोहर का पौधा लगाकर इस हरित पट्टिका का शुभारम्भ किया। 700 फीट लम्बी हरित पट्टिका में गुलमोहर, चांदनी जस्टोफा, कनेर, गुडहल आदि विभिन्न प्रजातियों के सैकड़ों पुष्प के पौधे रोपित किए गए।

सिटी मजिस्ट्रेट रवीन्द्र सिंह ने पौधे रोपित किए और कहा कि इस तरह के कार्यक्रम में प्रशासन का सदैव सहयोग रहेगा।

इस हरित पट्टिका को साफ–सुथरा तथा कचरा मुक्त कराने में स्थानीय प्रशासन एवं नगर पालिका का योगदान रहा। हिन्द लैम्प्स की ओर से चहारदीवारी लगाकर और पर्यावरण मित्र की ओर से हरित एवं कचरा मुक्त करने की दिशा में कार्य किया गया।

CMD, Bajaj Electricals, Shekhar Bajaj launching the Green Beld by planting a sapling.

पौधा रोपित कर हरित पट्टिका का शुभारम्भ करते बजाज इलेक्ट्रिकल्स के चेयरमैन शेखर बजाज।

A view of the Green Belt.

हरित पट्टिका का दृश्य।

City Magistrate, Ravindra Singh too planted sapling.

हरित पट्टिका में पौधा रोपित करते सिटी मजिस्ट्रेट रविन्द्र सिंह।

A group photo on the occasion.

समूह छायांकन।

## विश्व पर्यावरण दिवस संगोष्ठी

### पर्यावरण संरक्षण हमारे जीवन का मुख्य मुद्दा होना चाहिए– विजय किरन आनन्द, डीएम फिरोजाबाद

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वन विभाग फिरोजाबाद एवं पर्यावरण मित्र के संयुक्त तत्वावधान में सयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा इस वर्ष का विषय ''एक विश्व–एक पर्यावरण, सात सौ करोड़ सपने, एक ग्रह संभालकर उपभोग करें'' विषय पर संगोष्ठी एवं वृक्षारोपण संकल्प का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ किशोरी अमोनकर द्वारा गायन किए गए संध्या राग से हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विजय किरन आनन्द–जिलाधिकारी, फिरोजाबाद ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हमारे जीवन का मुख्य मुद्दा होना चाहिए क्योंकि यह वर्तमान एवं भविष्य दोनों को प्रभावित कर रहा है। मैं सभी का आह्वाहन करता हूँ कि जनपद में वनाच्छादित भू–भाग को बढ़ाने के लिए साढ़े पांच लाख वृक्ष लगाने का लक्ष्य रखा है। हर गांव में 1100 से पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। उसका मॉडल प्रोजेक्ट प्रभागीय निदेशक–वन विभाग ने प्रस्तुत किया है। वृक्षारोपण करने का, बल्कि उन्हें बचाने का भी हमारा संकल्प है। हमें 3–4 पहलुओं को ध्यान में रखकर अपनी जीवन शैली पर्यावरण अनुकूल बनाना समय की मांग है। अभी उन्होंने कहा कि जनपद में कोई भी कालोनी के निर्माण की अनुमति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक रेन वाटर हार्वेस्टिंग नहीं लगा लें। पुराने वाहनों पर भी लगाम लगाने की योजना है। जहां तक हो सके लोगों को कम ऊर्जा की खपत के लिए एलईडी और सौर ऊर्जा का प्रयोग करना चाहिए इसके लिए सरकारी अनुदान भी दिया जा रहा है।

जिलाधिकारी एवं प्रभागीय निदेशक–वन विभाग ने पर्यावरण मित्र द्वारा प्रकाशित जैविक खाद एवं कीटनियंत्रक प्रयोग एवं उपयोगिता पुस्तिका का विमोचन किया।

Briefing by the District Magistrate about the Government's initiatives on tree-plantation.

शासन द्वारा वृक्षारोपण की जानकारी देते जिलाधिकारी महोदय।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रभागीय निदेशक–वन विभाग डा. मनोज कुमार शुक्ल ने कहा कि हम सभी मिलकर वृक्षारोपण करेंगे एवं वन विभाग पूर्ण जन सामान्य का सहयोग करेगा।

माननीय उच्चतम न्यायालय के निदेशानुसार फिरोजाबाद के अंतर्गत टीटीजेड क्षेत्र में 2015–16 में वन विभाग द्वारा 28190 पौधों का रोपण 25 स्थलों पर किया जाएगा। इसके लिए विभिन्न स्वयंसेवी संगठन एवं शैक्षणिक संस्थानों की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है।

कार्यक्रम में जिला उद्यान अधिकारी सहित विभिन्न विभाग के अधिकारी, वन विभाग के अधिकारी, स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधि, मीडिया प्रतिनिधि एवं हिन्द लैम्प्स तथा पर्यावरण मित्र के अधिकारी उपस्थित रहे।

District Magistrate Vijay Kiran Anand administering the oath of Environment Conservation and tree plantation.

पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण की शपथ ग्रहण कराते विजय किरण आनन्द– जिलाधिकारी, फिरोजाबाद।

कलक्ट्रेट सभागार में संगोष्ठी एवं पौधरोपण संकल्प कार्यक्रम में बोले डीएम विजय किरन आनंद

## जीवन का मुख्य मुद्दा बनाएं पर्यावरण संरक्षण

## पर्यावरण संरक्षण जीवन का मुख्य मुद्दा होनी चाहिए

फीरोजाबाद, (बनारसी लाल भोला): विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वन विभाग फिरोजाबाद एवं पर्यावरण मित्र के संयुक्त तत्वाधान में संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा इस वर्ष के विषय वस्तु एक विश्व–एक पर्यावरण, सात अरब सपने, एक गृह संभालकर उपभोग करें विषय पर संगोष्ठी एवं वृक्षारोपण संकल्प का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार, दबरई फिरोजाबाद में किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ किशोरी अमीनकर द्वारा गायन किए गए संध्या राग से हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विजय किरन आनन्द जिलाधिकारी फिरोजाबाद ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हमारे जीवन का मुख्य मुद्दा होना चाहिए क्योंकि यह वर्तमान एवं भविष्य दोनों को प्रभावित कर रहा है। पर्यावरण संरक्षण में प्रत्येक व्यक्ति का योगदान इसमें आवश्यक है। इसके लिए उसे एकड़ी जमा कराना होगा। हर बूंद पानी बचाना है और इसके लिए हम ट्यूबेल के दुरुपयोग पर भी हमारी कार्यवाही करने की योजना है। हर बूंद में हर हालत में हमें पानी बचाना है इसलिए कि जनपद में हम लो स्ट्रीम में हैं। पर्यावरण मित्र की अध्यक्ष किरण बजाज ने अपने संदेश में कहा कि मातृभूमि का कर्ज उतारने के लिए और प्रकृति की रक्षा के लिए मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है।

फीरोजाबाद में पौधारोपण का संकल्प दिलाते जिलाधिकारी विजय किरन आनंद। (छाया:बबलू जैन)

## पौधारोपण का संकल्प

कार्यक्रमों की समीक्षा

## पृथ्वी को बचाने की दिलाई शपथ

## 700 फीट लंबी हरित पट्टिका का शुभारंभ

## पर्यावरण संरक्षण हमारे जीवन का मुख्य मुद्दा होना चाहिए : जिलाधिकारी

## सफाई व्यवस्था न होने पर डीएम से मिले लोग

---

### World Environment Day Symposium

Date June 5, 2015 | Venue: Collect ret Hall, Dabrai, Firozabad

Paryavaran Mitra along with the forestry division of Firozabad and Sanyukt Rashtra Sangh held a symposium on Ek Vishva – Ek Paryavaran, Saat Arab Sapne, Ek Gruh Sambhalkar Upbhog Kare. This was followed by tree plantation.

'An Inconvenient Truth, a landmark film on global warming by Al Gore was screened as part of the activities.

> To forget how to dig the earth, and tend the soil
> is to forget ourselves. - MK Gandhi

# प्रकृति एवं मनुष्य के रिश्ते के स्थायित्व के लिए वन महोत्सव

वन महोत्सव भारत में प्रतिवर्ष जुलाई के प्रथम सप्ताह में वृक्षारोपण के लिए मनाया जाने वाला उत्सव है जिसे राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किया जाता है। प्रत्येक व्यक्ति से यह अपेक्षा की जाती है तथा सरकारी एवं गैरसरकारी संगठन जनजागरूकता अभियान चलाकर लोगों को प्रेरित करते हैं कि कम से कम वह पौधारोपित अवश्य करें।

पर्यावरण मित्र इस दिशा में निरन्तर कार्य कर रहा है एवं प्रतिवर्ष वन महोत्सव का आयोजन वृहद स्तर पर करके वर्तमान एवं भावी पीढ़ी को वृक्षारोपण के वैज्ञानिक तरीके के बारे में जानकारी, कार्यशाला तथा वृक्षारोपण कर निरन्तर क्रिया शील है।

## वन महोत्सव के दौरान किए गए क्रियाकलाप

वन महोत्सव के अंतर्गत प्रथम चरण में वृक्षारोपण का प्रारम्भ हिन्द परिसर स्थित श्रीमन्नारायण क्षेत्र में आवला एवं नीबू के 85 पौधे लगाकर किया गया जिसमें अधिकारियों, कर्मचारियों, महिलाओं एवं बच्चों ने पौधे रोपित किए।

द्वितीय चरण में फिरोजाबाद जिले के विभिन्न विद्यालयों में वृक्षारोपण एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। शिक्षकों एवं बच्चों को वृक्ष से होने वाले लाभ और उपियोगिता तथा उनकी देखभाल करने के बारे में तथा उसे रोपित करने के वैज्ञानिक तरीकों के बारे में जानकारी दी गई। आदर्श कृष्ण महाविद्यालय के 5 यू.पी. एन.सी.सी. वटालियन के कैडेटों एवं अधिकारियों, श्री कुलभूषण आर्य उच्चतर माध्यमिक विद्यालय–मलापुर, न्यू गार्डेनिया इण्टर कालेज–शिकोहाबाद, आवास विकास कालौनी शिकोहाबाद एवं मोर मैमोरियल चर्च–शिकोहाबाद में कार्यशाला एवं वृक्षारोपण किया गया।

Addl. Dist. Judge of Ferozabad and his wife planting a sapling.

वृक्षारोपण करते अपर जिला जज दम्पति फिरोजाबाद।

School childrens planting tree.

वृक्षारोपण करते हुए स्कूली बच्चे।

Tree plantation in progress.

वृक्षारोपण कार्यक्रम।

A group photo during tree-plantation programme.

वृक्षारोपण के दौरान समूह छायांकन।

Van-Mahotsav was celebrated at various educational institutions through tree plantations and organising Workshops.

वन महोत्सव सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न शिक्षण संस्थानों में वृक्षारोपण एवं कार्यशाला आयोजन के दृश्य।

NCC Cadets all ready for tree plantation.

ए.के. डिग्री कॉलेज में वृक्षारोपण के लिए तैयार एन.सी.सी. कैडेट।

पौधरोपण के साथ वन महोत्सव का शुभारंभ

आज से शुरू होगा महा अभियान

रोपण के साथ पौधो की सुरक्षा का संकल्प

पर्यावरण मित्र संस्था ने किया पौधरोपण

पौधों की देखभाल करेंगे कैडेट

## Van Mahotsav – To maintain harmony and balance between Man and Environment

### An introduction to Van Mahotsav:

It was the fifties. The pressure of the huge population of India was being felt by our environment and forests. A visionary leader, Kanhaiyalal Manecklal Munshi led a movement called Van Mahotsav to protect the environment. He had the far-sightedness to plant trees and plant the seeds of organic farming.

Van Mahotsav is an activity held in the first week of July every year. Trees are planted as a part of a large national drive.

### The Purpose:

- Increase the green cover on our planet
- Create alternative Energy resource
- Prevent environmental pollution
- Grow food for animals
- Aesthetic reasons
- Create environmental awareness among everyone

### Conclusion

There is a huge increase in awareness about environmental issues. People are well aware of global warming. Tree plantation has become a huge movement in every nook and corner of the country.

Paryavran Mitra activities for Van Mahotsav included planting trees in Hind Parisar. All staff members of Hind Lamps participated in this activity where 85 trees were planted. This was extended to schools and colleges and several contests were held to create more awareness.

**विश्व में आदमी ही एक मात्र ऐसा प्राणी है जो पेड़ काटता हैं, उसका कागज बनाता है और उस पर लिखता है 'पेड़ बचाओ'**

# पर्यावरण मित्र ग्यारहवां स्थापना दिवस

## अमृत कृषि (Natueco Farming)

'पर्यावरण मित्र' के 11वें स्थापना दिवस के दो दिवसीय समारोह के अर्न्तगत प्रथम दिवस 'अमृत–कृषि के विविध आयाम' विषय पर कार्यशाला का आयोजन शिकोहाबाद में किया गया। कार्यशाला का शुभारम्भ मंगल गीत एवं दीपक वल्लभभाई सचदे तथा महाविद्यालयों के प्राचार्यों द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ।

मुख्य अतिथि अमृत कृषि विचार के प्रर्वतक दीपक वल्लभभाई सचदे ने कहा'खेत–मंदिर, किसान–खेत का उपासक और उपभोक्ता अपने को मन्दिर का भक्त समझे।' किसान जिस दिन खेत का उपासक बन जायेगा,उस दिन किसान को आत्महत्या के लिए विवश नहीं होना पड़ेगा।

श्री सचदे ने अमृत–कृषि एवं उसके विविध आयामों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि हमारा जीवन पर्यावरण के लिए है ऐसी सोच अपने अंदर पैदा करनी चाहिए। उन्होंने प्रश्न किया कि जब सूर्य, चंद्रमा और पृथ्वी तीनों ही समान रूप से मिल रहे हैं फिर उत्पादन में समानता क्यों नहीं है ?

खेती मूलतः वातावरण व पर्यावरण की समृद्धता एवं संवंर्धन पर आधारित है। अमृत कृषि के द्वारा उन्नत खेती करने पर अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि अमृत कृषि द्वारा पपीता के एक पेड़ से 180 फल प्राप्त किये गये। 32 से 52 किलोग्राम वजन के कद्दू प्राप्त हुए।

फसल पर कीड़ा लगता है, खर–पतवार पर क्यों नहीं? खेत में लगे खर–पतवार शत्रु नही,मित्र हैं। इन्हें पहचानिये और उनसे दोस्ती कीजिए।

श्रीमती किरण बजाज ने अपने संदेश में कहा कि मेरा कई वर्षों से चिन्तन

Dr. Ahuja, BB Mukhopadhyaya and Rajani Yadav presenting the Citation to Deepak Sachde.

दीपक सचदे को सम्मान पत्र भेंट करते डॉ. आहूजा, बी.बी. मुखोपाध्याय एवं डॉ. रजनी।

Deepak Sachde presenting the details of Amrut Krishi before the audience.

अमृत कृषि के बारे में व्याख्यान प्रस्तुत करते दीपक सचदे।

A group photo with Deepak Sachde.

दीपक सचदे के साथ समूह छायांकन।

चलता आ रहा है कि भारत में हिन्द लैम्प्स जैसे बहुत से कारखाने एवं अन्य ऐसे संस्थान होगें जिनके पास अनुपयोगी भूमि एवं अन्य संसाधनो की कमी नहीं है किन्तु चिन्ता इस बात की है कि प्रकृति संरक्षण के प्रति उनकी जागरूकता और चिन्तन नहीं है। आप सबसे मेरा निवेदन है कि प्रकृति संरक्षण के दायित्व की जागरूकता उन तक पहुंचाई जाय जिससे विभिन्न संस्थानों की अनुपयोगी भूमि पर हवा, पानी, भूमि से सम्बन्धित कार्य हो सके तथा धरा को उपजाऊ और हरित बनाया जा सके।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जैविक कृषि विशेषज्ञ दीपक सचदे व विशिष्ट अतिथि शब्दम सलाहकार डॉ रजनी रहीं

**जैविक खेती से हो सकती है पर्यावरण सुरक्षा**

किया सम्मान



**पर्यावरण की सुरक्षा के लिए है हमारा जीवन: सचदे**

**पर्यावरण मित्र ने मनाया 11वां स्थापना दिवस**

कल्पतरु समाचार सेवा

शिकोहाबाद। हिन्द लैम्पस परिसर स्थित संस्कृति भवन में प्रकृति संरक्षण को समर्पित संस्था पर्यावरण मित्र का 11वां स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जैविक कृषि विशेषज्ञ दीपक सचदे थे।

मुख्य अतिथि बतौर पधारे श्री सचदे ने अमृत कृषि एवं उसके विविध आयाम के विषय में जानकारी देते हुए कहा। सबसे पहले हमें अपने अंदर यह सोच पैदा करनी होगी कि हमारा जीवन पर्यावरण के लिए है। उन्होंने कहा कि अमृत कृषि के द्वारा उन्नति खेती की जा सकती है। इस विधि से खेती बागवानी करने पर अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा है कि जब सूर्य, चन्द्रमा और पृथ्वी तीनों समान रूप से मिल रहे है तो फिर उत्पादन में समानता क्यों नहीं है। उन्होंने बताया कि अमृत कृषि द्वारा पपीता के एक पेड़ से 180 फल प्राप्त किए गए। 32 से 52 किलोग्राम के कद्दू प्राप्त हुए। उन्होंने कहा कि खरपतवार शत्रु नहीं मित्र है। इन्हें पहचानिए और इनसे दोस्ती करिए। उन्होंने कहा है कि खेती मूलतः वातावरण व पर्यावरण की समृद्धता एवं संवर्धन पर आधारित है। फसल पर कीड़ा लगता है इन खरपतवार पर क्यों नहीं। उन्होंने कहा है कि किसान जिस दिन खेत का उपासक बन जाएगा तो खेत मंदिर और उपभोक्ता भक्त उस दिन किसान को आत्महत्या के लिए विवश नहीं होना पड़ेगा।

पर्यावरण मित्र की ओर से अतिथियों का हरित कलश भेंट कर स्वागत किया गया। स्थापना दिवस के मौके पर दीपक सचदे का डॉ. एके आहूजा, डॉ. रजनी यादव ने शॉल ओढ़ाकर, प्रशस्ति पत्र, श्रीफल व प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पर्यावरण मित्र की अध्यक्ष किरण बजाज का संदेश पढ़कर सुनाया गया। कार्यक्रम में जिला उद्यान अधिकारी बलजीत सिंह, जेएस कॉलेज के कुलाधिपति सुकेश यादव आदि थे।

Deepak Sachde with a group of students.    छात्रों के साथ समूह छायांकन।



**किसान खेत का उपासक बनें : दीपक सचदे**

- पर्यावरण मित्र संस्था का 11वां स्थापना दिवस मनाया

शिकोहाबाद (ब्यूरो)। पर्यावरण मित्र संस्था का 11वां स्थापना दिवस समारोह हिंद लैंप्स परिसर स्थित संस्कृति भवन में मनाया गया। मुख्य अतिथि जैविक कृषि विशेषज्ञ दीपक सचदे, विशिष्ट अतिथि शब्दम् सलाहकार सदस्य डा. रजनी यादव और डा. एके आहूजा रहे। संस्था ने अतिथियों का हरित कलश भेंट कर स्वागत किया गया। संस्था द्वारा अपने स्थापना दिवस पर जैविक कृषि विशेषज्ञ दीपक सचदे का डा. एके आहूजा और डा. रजनी यादव द्वारा उन्हें शाल ओढ़ाकर, प्रशस्त्रि-पत्र, श्रीफल और प्रतीक चिह्न भेंटकर सम्मानित विख्यात जैविक कृषि विशेषज्ञ दीपक सचदे ने अमृत कृषि एवं उसके विविध आयाम के विषय की जानकारी दी। उन्होंने प्रश्न किया कि जब सूर्य, चंद्रमा और पृथ्वी तीनों ही समान रूप से मिल रहे हैं फिर उत्पादन में समानता क्यों नहीं है? उन्होंने बताया कि अमृत कृषि द्वारा पपीता के पेड़ से 180 फल प्राप्त किए गए। 32 से 52 किलोग्राम वजन के कद्दू प्राप्त हुए। उन्होंने कहा कि खरपतवार शत्रु नहीं मित्र हैं। इन्हें पहचानिए और इनसे दोस्ती कीजिए। किसान जिस दिन खेत का उपासक बन जाएगा उस दिन किसान को आत्म हत्या के लिए विवश नहीं होना पड़ेगा। संचालन शशिकांत पांडेय ने किया। कार्यक्रम में एके कालेज के प्राचार्य डा. आरके सिंह, जेएस विवि के कुलाधिपति डा. सुकेश यादव, जिला उद्यान अधिकारी बलजीत सिंह, डा. संजीव आहूजा, डा. एसपी पालीवाल, मंजर-उल-वासै, अरविंद तिवारी, पीएन सिंह, डा. लतिका सिंह, एसके शर्मा अमित अग्रवाल आदि थे।

## Paryavaran Mitra 11th Foundation Day

On the occasion of the 11th Foundation Day, Paryavaran Mitra invited Deepak Suchde to speak on Natueco farming.

Natueco farming follows the principles of eco-system networking of nature in our farming system. It is different from organic or natural farming both in philosophy and practice. It offers an alternative to the commercial, heavily chemical's techniques of farming. It emphasizes harvesting the sun through a critical application of scientific inquiries and experiments that are rooted in the neighborhood resources. It depends on developing a thorough understanding of plant physiology, plant geometry of growth, plant fertility and plant biochemistry.

Kiran Bajaj urged in her message for people to spread awareness about conservation of nature. She pointed out the existence of several under-utilized land in factory areas spread across the country. Hind Lamps was a unique example where Paryavran Mitra converted waste land into a green belt. This could be done in their factory land areas as well.

# अमृत कृषि (Natueco Farming) –किसान गोष्ठी

पर्यावरण मित्र के ग्यारहवें स्थापना दिवस समारेह के अर्न्तगत द्वितीय दिवस पर 'अमृत कृषि–किसान गोष्ठी' एवं जैविक किसानों के ज्ञान–विज्ञान–सम्मान का आयोजन शिकोहाबाद में किया गया।

मुख्य अतिथि दीपक वल्लभभाई सचदे ने कहा कि अमृत कृषि विज्ञान भाव–हिंसा विहीन, कुदरत एवं पर्यावरण के साथ सामजस्य स्थापित करने वाला विज्ञान है। उनका विशेष जोर मिट्टी की शक्ति को बढ़ाने पर था। यदि हमारी मिट्टी मजबूत एवं अमृत हो जाए तो पौधों को कोई भी हानि नहीं पहुंचा सकता।

उन्होंने कहा कि हमें हर समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि भूमि के साथ माँ का भाव रखते हुए हिंसा विहीन खेती करें, जिसमें किसी भी प्रकार के कीटों की हत्या न हो सके।

अमृत कृषि विज्ञान दो महत्वपूर्ण तथ्यों पर आधारित है अमृत–जल और अमृत–मिट्टी। उन्होंने अमृत–जल और अमृत मिट्टी से मिट्टी में कार्बन जीवांश बढ़ाने, मिट्टी की शक्ति को संर्वधित करने के तरीकों को वीडियो प्रदर्शन से दिखाया। उन्होंने किसानों को अमृत जल एवं अमृत मिट्टी बनाने के तरीकों को करके दिखाया और बताया कि यह पूर्णतः स्थानीय प्राकृतिक संसाधनों पर आधारित है जिसमें कोई भी बाजार की चीज नहीं है। इससे कृषि एवं बागवानी को वृहद लाभ प्राप्त होगा एवं किसानों की आर्थिक समृद्धि बढ़ेगी।

दीपक सचदे ने 1 हेक्टेअर में 1 लाख अर्जित करने की विधि का चित्रण एवं प्रक्रिया के बारे में विस्तार से किसानों को जानकारी दी।

चर्चा एवं प्रश्नोत्तरी के दौरान किसानों ने प्रश्न पूछे जिसका समाधान दीपक सचदे मे संतोषप्रद ढंग से किया ताकि इस ज्ञान का अधिकाधिक प्रसार हो सके।

Deepak Dachde, the District Forest Officer and Harishankar Yadav Light the auspicious lamp.

दीप प्रज्वलित कर किसान संवाद का शुभारम्भ करते दीपक सचदे, जिला उद्यान अधिकारी एवं हरिशंकर यादव।

समारोह के अध्यक्ष वैद्यनाथ तिवारी एवं जिला उद्यान अधिकारी बलजीत सिंह ने कहा कि जैविक कृषि या अमृत कृषि से ही किसानों का एवं देश का भला होगा। जैविक विधि कृषि एवं बागवानी की सारी समस्याओं का समाधान है। अमृत कृषि को व्यावहारिक और उपयोगी बताते हुए कहा कि हम भी इस दिशा में आगे बढ़ेंगे।

Deepak Sachde in conversation with the farmers about Amrut Soil.

अमृत मिट्टी के बारे में जानकारी देते हुए दीपक सचदे।

Visiting farmers viewing the exhibition. प्रदर्शनी का अवलोकन करते किसान बन्धु।

Farmers learning the method of making Amrut Jal. अमृत जल बनाने की बिधि के बारे में प्रदर्शन करते दीपक सचदे एवं सीखते हुए किसान बन्धु।

## Natueco Farming

Paryavaran Mitra organised a discussion about Natueco Farming for farmers and honoured those farmers who have adopted organic farming methods.

The two day function for Foundation Day included honouring 72 farmers who had carried out organic farming methods. Deepak Suchde, Chief Guest spoke at length about organic farming. He emphasised the need to practice farming that was without any intention to damage or kill insects and he beseeched those present to treat the earth as their own mother.

Two things are critical to Natueco farming, he said. Amrit Jal and Amrit Mitti. He demonstrated methods to make these. His main message was to develop a strong g soil base that would benefit the growth of the plants and trees. He also answered questions posed by the farmers.

Kiran Bajaj also emphasised the need for Natueco and organic farming as it doesn't harm the environment or our health. It was the way of future farming. The session was well attended by farmers, officials and members of Paryavaran Mitra.



# भूमि के साथ मां का भाव रखें : सचदे

शिकोहाबाद | हिन्दुस्तान संवाद

पर्यावरण मित्र के 11वें स्थापना दिवस पर दो दिवसीय समारोह के दूसरे दिन अमृत कृषि-किसान संवाद आयोजित किया। एक बीघा जैविक परियोजना से जुड़े 72 किसानों का सम्मान किया गया। इसी के साथ कार्यक्रम का समापन हो गया।

अमृत कृषि विचार के प्रवर्तक स्टीर फाउंडेशन एवं भारतीय कृषि अनुसंधान के सलाहकार दीपक बल्लभ भाई सचदे, जिला उद्यान अधिकारी बलजीत सिंह एवं क्षेत्रीय गांधी आश्रम के मंत्री वैद्यनाथ तिवारी ने समारोह का शुभारम्भ किया। सचदे ने कहा कि अमृत कृषि विज्ञान का ...

शनिवार को शिकोहाबाद में पर्यावरण मित्र द्वारा सम्मानित किसानों के साथ जैविक कृषि विशेषज्ञ दीपक बल्लभ भाई सचदे। • हिन्दुस्तान

आधारित है अमृत जल और अमृत मिट्टी। किरण बजाज ने अपने संदेश में ...

उद्यान अधिकारी बलजीत सिंह ने कहा कि जैविक विधि से ही कृषि एवं बागवानी ...



# जैविक परियोजना से जुड़े किसानों का सम्मान

पुरस्कृत किए गए जैविक परियोजना से जुड़े किसानों के साथ अमृत कृषि के प्रवर्तक दीपक सचदे।

अमर उजाला ब्यूरो

शिकोहाबाद। पर्यावरण के ग्यारहवें स्थापना दिवस के अवसर पर दो दिवसीय समारोह के अंतर्गत अमृत कृषि-किसान संवाद एवं पर्यावरण मित्र द्वारा चलाए जा रहे है एक बीघा जैविक परियोजना से जुड़े 72 किसानों के सम्मान समारोह का आयोजन हिंद परिसर स्थित संस्कृति भवन में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अमृत कृषि विचार के प्रवर्तक स्टीर फाउंडेशन एवं भारतीय कृषि अनुसंधान के सलाहकार दीपक बल्लभभाई सचदे, विशिष्ट अतिथि जिला उद्यान अधिकारी बलजीत सिंह एवं अध्यक्षता कर रहे क्षेत्रीय ...

रूप से चलाई जा रही गतिविधियों का प्रजेंटेशन के माध्यम से प्रदर्शन किया गया। मुख्य अतिथि दीपक बल्लभभाई सचदे ने कहा कि अमृत कृषि, विज्ञान को भाव हिंसा विहीन कुदरत एवं पर्यावरण के सामंजस्य स्थापित करने वाला विज्ञान है। अमृत कृषि विज्ञान दो महत्वपूर्ण तथ्यों पर आधारित है अमृत जल और अमृत मिट्टी। इससे कृषि एवं बागवानी दोनों को वृहद लाभ प्राप्त होगा एवं किसानों की आर्थिक समृद्धि बढ़ेगी। उन्होंने किसानों को अमृत जल एवं अमृत मिट्टी बनाने के तरीकों को करके दिखाया। 72 किसानों को तुलसी एवं अंगवस्त्र देकर मंचासीन अतिथियों ने ...

## अमृत–जल

अमृत–जल,गोबर, गोमूत्र, गुड़ एवं पानी का एक घोल है जिसमें बहुत बड़ी संख्या में तरह–तरह के HEMETIC सूक्ष्म जीवाणु पाए जाते है।

(HEMETIC = रक्त में पाए जाने वाले)

अमृत जल के रासायनिक तत्त्व मिटटी को उपजाउ बनाते हैं और सूक्ष्म जीवाणु मिटटी के रासायनिक तथा भौतिक गुणों को बढ़ाते हैं।

### आवश्यक सामग्री

| क्रसं सामग्री | मात्रा |
|---|---|
| 1. गुड़ या<br>बहुत अधिक पके हुए केले<br>या अमरूद<br>या गन्ने का रस<br>या काजू फल<br>(उपरोक्त में कोई एक सामग्री) | 50 ग्राम<br>12 नग<br>06 नग<br>500 मिलीलीटर<br>12 नग |
| 2. ताजा गोबर | 1 किलो |
| 3. गोमूत्र | 1 लीटर |
| 4. पानी | 110 लीटर |

### सामग्री के लिए पात्र

| क्रसं सामग्री | मात्रा |
|---|---|
| 1. पानी की टंकी | 110 लीटर की |
| 2. बाल्टी (10 लीटर की) | 1 नग |
| 3. मग या जग | 1 लीटर का |
| 4. तराजू (5 किलोग्राम तक का) | 1 नग |
| 5. प्लास्टिक का टब / मिट्टी का पात्र | 1 लीटर का |
| 6. लकड़ी का डंडा या सोटी | 1 नग |

### अमृत जल के निर्माण की विधि

1. एक टब में एक किलो गाय के गोबर में पानी मिलाकर बढ़िया लेई बनाइए।
2. घोल को 10 लीटर पानी भरी बालटी में डालिए।
3. अब 50 ग्राम गुड़ में पानी मिलाकर बढिया लेई बनाइए।
4. इस लेई को 10 लीटर पानी भरी बालटी में डालिए।
5. इस घोल वाली बालटी में एक लीटर गोमूत्र डालिए।
6. घोल को सोटी या लकडी के डंडे से 12 बार दांए से बाएं और बांए से दाए चलाइए (विलोड़ित कीजिए)।
7. बालटी को ढकिए तथा उपरोक्त ढंग से तीन से चार दिन तक, प्रतिदिन तीन बार चलाइए (विलोडित करिए)।
8. चौथे दिन 100 लीटर पानी वाली टंकी में इस घोल को डाल दीजिए और अच्छी तरह से मिलाइए।
9. फिर इसे तुरत प्रयोग करिए।

### अमृत जल प्रयोग की विधि एवं मात्रा

इस घोल को तीन दिन रखा जाता है क्योंकि सूक्ष्म जीवाणुओं की संख्या चौथें दिन सबसे अधिक होती है। उसके उपरान्त यह संख्या घटना शुरू हो जाती है।

अमृत जल के प्रयोग की मात्रा फल, फूल या किसी अन्य प्रकार के पौधे में तथा खेती में प्रत्येक वर्ग फुट में एक लीटर डालना है। पहली बार जब भी आप पौधा लगाए तभी इसका प्रयोग करें एवं धन्यवाद दें।

| साल (वर्ष) | अन्तराल (दिनों का) |
|---|---|
| पहली बार | 15 दिन |
| दूसरी बार | 30 दिन |
| तीसरी बार | 90 दिन |
| चौथी बार | 180 दिन |

### अमृत जल के लाभ

- इसमें पौधे के बढ़ने में हितकारी सूक्ष्म जीवाणु होते हैं।
- पानी की जगह पौधे के अच्छे संवर्धन हेतु इसका उपयोग किया जा सकता है।
- जैवद्रव्य के शीघ्र विघटन में सहायक है।
- बीजों के उपचार में प्रयुक्त होता है।
- पोषक जड़ों को पैदा करने का एक बड़ा स्रोत है।
- पौधे की जीवन शक्ति को बढ़ाता है।
- अमृत के निर्माण के लिए अवायु जीवों को पैदा करता है। ANAEROBIC (वह जीव जो वायु या आण्विक ऑक्सीजन की अनुपस्थिति में भी जीवित रहता है।)

### अमृत जल के मुख्य घटकों का महत्व

1 गोमूत्र

- इसमें यूरिया तथा दूसरे खनिजों से समृद्ध लवण पाए जाते है।
- कीटों को दूर रखता है।
- नाइट्रोजन का स्रोत है।
- अम्लीय तत्वों का स्रोत है।

2 गोबर

- सवंर्धित कोशिका जीवाणु समूह (Culture) का माध्यम जिसमें विघटनकारक अवायु जीव पाए जाते हैं।
- जो नाइट्रोजन तथा पोटाशियम का स्रोत हैं।

3 गुड़

- बढ़ रहे लघु जीवाणुओं के लिए भोजन (अथवा पुष्टि प्रदाता)।
- ख़मीर उठाने के लिए उपयोगी।

## Amrut Jal

Amrut jal is a solution of water, jaggery, cow dung and coe urine containing a very high number a diversity of hermetic micro-organism. The chemical elements present in Amrut jal make the soil fertile and the micro-organism increase the chemical and physical qualities of the soil.

### Materials required to prepare Amrut jal

| Sr. No. | Meterial | Quantity |
|---|---|---|
| 1 | Fresh cow dung | 1 Liter |
| 2 | Cow Urine | 1 Liter |
| 3 | Water | 110 Liter |
| 4 | Jaggery | 50 gms |
| 5 | Labor | 1 hour |

### Utensils

| Sr. No. | Meterial | Quantity |
|---|---|---|
| 1 | Water tank (110 lt.) | 1 no. |
| 2 | Balti (10 lt.) | 1 no. |
| 3 | Jug (1 lt.) | 1 no. |
| 4 | Taraju (5 gram) | 1 no |
| 5 | Plastic or earthen pot | 1 no. |
| 6 | Wooden stick | 1 no. |

Amrut Jal is required in the quantity of 1L per sq foot per plant cost of Amrut Jal per liter would be approx. Rs. 0.25

In case Jaggery is not available, use 12 over ripe bananas or 6 guavas or 12 jack fruits or 5 ml of sugar cane juice or cashew nuts fruits, whichever is available.

### Preparation of Amrut Jal - The Process

- Make a fine paste of 1 kg cow dung with 1 L of cow Urine.
- Add fine paste of 50 gm of jiggery to the mixture of Cowdung and Cow Urine.
- Transfer the mixture to a container contacting 10 L of water.
- Stir the mixture, 12 times in clockwise direction and 12 times vice versa. Cover the container
- Stir as above indicated thrice a day for 3 days. The mixture is kept for 3 days as the microbial count is its maximum on 4th day and beyond this the microbial count starts
- On the 4th day, transfer thr solution to a tank containing 100 L water and mix well. The Solution is ready for application.

### Application of Amrut Jal rate of 1 L per square foot per plant

| Year | Days interval |
|---|---|
| 1st | 15 |
| 2nd | 30 |
| 3rd | 90 |
| 4th | 180 |

### Advantage of Amrut jal

- Contains plant growth promoting micro-Organisms.
- Can be used in place of water for better plant growth.
- Helps in faster decomposition of biomass.
- Used in seed treatment.
- Promoter for feeder roots growth.
- It increases vital energy of the plant.
- It provides anaerobic microbes to make Amrut mitti.

### Imortance of the key ingredients of Amrut Jal.

**1. Cow Urine**

- Contains urea an other mineral salts.
- Acts as insect repellent.
- Source of Nitrogen.
- Source of acids

**2. Cow Dung**

- Culture medium containing anaerobic micro-organisms for decomposition.
- Source of nitrogen and postassium.

**3. Jaggery**

- Food for the growing micro-organisms. Used for fermentation to create bacterial life.

# दीपक वल्लभभाई सचदे

1949 में मुम्बई में जन्में दीपक सचदे भारतीय प्राकृतिक खेती एवं अमृत–कृषि के अभ्यासकर्ता और गांधीवादी सामाजिक कार्यकर्ता हैं। इन्होंनें जैविक कृषि को अपनी जीवनशैली बनाई है। प्रकृति के प्रति सामंजस्य करने की प्रतिबद्धता एवं सामूहिक संवेदनशीलता के दृष्टिकोण ने उन्हें अमृत–कृषि (Natueco Farming) के प्रति आकर्षित किया।

दीपक सचदे वर्ष 2000 से ज्यूरिख, स्विटजरलैण्ड में आई. एफ. ओ. ए. एम. तथा जेनेवा के Wholesome World Conference में विभिन्न विषयों पर अपने पत्र प्रस्तुत करते रहे हैं।

1995 से सचदे Natueco Farming आन्दोलन को प्रसारित करने के लिए प्रयोग परिवार में स्वैच्छिक रूप से कार्य किया। 1978 से सचदे युसुफ मेहरली सेन्टर में परामर्शदाता रहे एवं किसानों को Natueco विज्ञान के बारे में प्रशिक्षण दिया।

70 के दशक से दीपक सचदे भारत में विभिन्न अग्रणी परियोजनाओं-प्राकृतिक चिकित्सा, ग्रामीण वस्तुओं के विपणन, वाटरशेड परियोजना, तीन गुंठा परियोजना, परमाकल्चर एवं अमृत कृषि के पाठयक्रम के प्रभारी रहे।

दीपक सचदे STEER Foundation (Spiritual Training Education Enlightenment Research Foundation) के संस्थापक हैं, जो अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षण देता है।

वर्तमान में दीपक सचदे Natueco Farming जीवनशैली को चिरस्थायी बनाने के लिए कृषि तीर्थ मालपानी ट्रस्ट में 2006 से कार्यरत हैं। सचदे 2009 से जैविक खेती पर टास्क फोर्स मध्य प्रदेश सरकार के सलाहकार हैं। 2012 से म.प्र. के जैवविविधता बोर्ड के गैर सरकारी सदस्य हैं।

सचदे ने जैविक खेती एवं Natueco Farming से संम्बन्धित विभिन्न विषयों पर प्रान्तीय, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में अपने को प्रस्तुत किया तथा सहभागिता दी है। दीपक सचदे ने टिकाऊ खेती के लिए जैविक भोज्य सामग्री एवं सब्जियों को जागरूकता के लिए विभिन्न पाठयक्रमों तथा मृदा की सजीवता–समृद्धता, वर्मी कम्पोस्ट, वर्मी कल्चर, स्वास्थ्य, स्वयं सहायता रोजगार, ग्रामीण सामुदायिक विकास ,कृशि एवं जल के मध्य सम्बन्ध, प्रूनिग, किसानों एवं अन्य के लिए टेरेस फार्मिंग के विभिन्न कार्यक्रमों एवं कार्यशालाओं का आयोजन किया है।

दीपक सचदे ने Natueco Science पर विभिन्न पुस्तकों एवं पत्रिकाओं में लिखा है। इनके कार्यो एवं तकनीकों–जैसे अमृत–मिटटी, अमृत–जल, दस गुंठा, गंगा मां मंडल , जड़–शोधन एवं बीज–शोधन के बारे में पुस्तकें लिखी गई हैं एवं डी.वी.डी बनाई गई है।

## An introduction to Shri Deepak Suchde

Born in 1949, Deepak Suchde is an Indian permaculturalist, social activist and farmer. He lives on a small farm next to the wide Narmada river that runs through the rocky landscape south of Bhopal in rural Madhya Pradesh. Originally a social worker, Mr Suchde became interested in permaculture and biodynamic agriculture as a means of addressing poverty and malnutrition in rural India. His work owes much to the ideas of Shripad Dabholkar, an Indian thinker and activist who promoted economic development through self-reliance and knowledge sharing, in harmony with the natural world.

The aim of Natueco farming is to maximize the microbial life and health of the soil, and of all organisms, to increase the ecosystem's health and thus its productivity - without any recourse to chemicals.

The farm is run as a demonstration and training centre for farmers, who can learn permaculture and biodynamic inspired methods of soil improvement and cultivation. These include Amrit Mitti and Amrit Jal – concoctions of cow dung, urine and jaggery which are designed to maximize the soil's microbial life, and thus its productivity, without digging or adding large amounts of nitrates, as is the conventional practice.

Unlike other models of development, this one does not necessitate vast amounts of capital, technology or the collectivization of small farms into vast agro-industrial enterprises. It addresses the issues facing farmers with little or no access to capital, hybrid seeds or technology. Instead, it empowers them with the resources they have easy access to.

Shri Suchde shared his knowledge with those present and answered questions from farmers who were attending the Foundation Day.

# हरे–भरे वृक्षों के साथ बच्चों ने की मन की बातें

विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने वन दर्शन में अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा:

'मैंने इस स्थान पर आकर, अपने को प्रकृति से जोड़ लिया।'

'मेरे लिए यह एक नया अनुभव रहा; मैं चाहती हूं कि पुनः मुझे वन दर्शन कार्यक्रम में बुलाया जाए।'

'मैं जो यहां से सीखकर जा रहा हूं उसे अपने यहां जरूर करूगां।'

'हम चाहते हैं कि सभी कृषि विद्यार्थी यहां आकर पूर्ण जानकारी प्राप्त करें।'

'This place is really very good & natural. I just want to make my college like this.'

शिक्षकों ने कहा 'कम्पोस्ट खाद की निर्माण विधि एवं वन दर्शन दोनों का अदभुत अनुभव रहा। प्रयास सराहनीय एवं समाजोन्मुख है। जैविक खेती आज की आवश्यकता है और ऐसे ही प्रयास उसमें मील का पत्थर बनेगें।'

महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने कहा कि 'जो हमें कालेज में सैद्धांतिक रूप से पढ़ाया जाता है उसे वन दर्शन में आकर सरलता से सीख लेते हैं।'

'हम यहां आकर नई–नई जानकारियां प्राप्त करते हैं।'

विद्यार्थी और शिक्षक कहते हैं कि हमारे पाठ्यक्रम को व्यावहारिक रूप से समझने के लिए वन दर्शन उपयोगी और प्रभावी माध्यम है।

वन दर्शन, पर्यावरण मित्र द्वारा संचालित विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए जागरूकता कार्यक्रम है, जहां विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को प्रकृति से जोड़ने, उनके मन में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता को मजबूत बनाते हुए उन्हें व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है।

हिन्द परिसर में पर्यावरण मित्र द्वारा विकसित 12 लधुवनों में विभिन्न प्रकार के पौधों एवं वृक्षों की उपयोगिता, होने वाले लाभ, पौधशाला की गतिविधियों तथा जैविक खाद बनाने के तरीके एवं प्रयोग के बारे में उनके पाठयक्रमों के अनुरूप जानकारी दी जाती है।

Van-Darshan programme- offering puja to the five elements of nature. वन दर्शन में पंचमहाभूतों का पूजन।

Pushpendra Sharma imparting knowledge about planting nursery plants. नर्सरी में पौधे लगाने के तरीके के बारे में जानकारी देते पुष्पेन्द्र शर्मा।

Students of Agriculture faculty in Van-Darshan programme. कृषि संकाय के छात्रों द्वारा वन दर्शन।

2011 से प्रारम्भ हुआ यह अभियान कई विद्यालयों–महाविद्यालयों के लिए पर्यावरण सम्बन्धी व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए उपयोगी सिद्ध हुआ है। अभी तक इस अभियान में 30 हजार से अधिक लोगों ने सहभागिता की है। वन दर्शन के बाद होने वाले संवाद में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की जिज्ञासाओं का समाधान किया जाता है। विद्यार्थियों और शिक्षकों ने अपने विचारों और सुझावों से इस कार्यक्रम को और अधिक प्रभावी बनाने में योगदान दिया है।

वन दर्शन विद्यार्थियों में वैज्ञानिक चेतना तथा प्रशिक्षण की विधि से उनकी समझ बढ़ाने में सहायक सिद्ध हुआ है।

A goup in the Nursery. नर्सरी में समूह छायांकन।

Students learning about organic turmeric crop. जैविक हल्दी की फसल के बारे में जानकारी प्राप्त करते विद्यार्थी।

Satyaveer Singh briefing the students about trees in Van-Darshan programme. वन दर्शन में पेड़ों के बारे में जानकारी देते सत्यवीर सिंह।

शिक्षकों के साथ वन दर्शन करते छात्र-छात्राएं।

वन दर्शन में हरे-भरे वृक्षों के साथ बच्चों ने की बातें

शिकोहाबाद (ब्यूरो)। पर्यावरण मित्र संस्था द्वारा संचालित वन दर्शन के तहत रविवार को शेमफोर्ड पब्लिक स्कूल के कक्षा सात और आठ के बच्चों ने प्रकृति के बीच पहुंचकर वृक्षों से बातचीत की। ... कमल नयन कानन एवं जानकी देवी आंवला वाटिका का अवलोकन किया। इधर, सुदिती ग्लोबल अकेडमी जसवंत नगर में पर्यावरण मित्र ने पौधे रोपित किए एवं कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें विद्यालय प्रधानाचार्य वेदपाठी तिवारी ने

प्रकृति के हरे-भरे वृक्षों के साथ बच्चों ने की बातें

## VAN DARSHAN

Students were delighted to visit Hind Parisar on this occasion. "I have attached myself to Nature with my visit to this place". This has been a unique experience for me - where I learnt about environment protection, cleanliness and discipline. I would love to return". These were some of the reactions of our student visitors.

Van Darshan is a very successful awareness programme conducted by Paryavaran Mitra. The aim is to bring young student minds and teachers close to Nature. They are exposed to the various methods of organic farming and are taken on a tour of the nursery and the mini forest. This is also a practical experience session where they learn how to make organic fertiliser.

Proximity to nature increases the children's perception and understanding of the needs of the environment, making them resolute about wanting to protect the nature around them.

This venture was started in 2011 and has been very well received by the students of the neighbouring towns of Hind Parisar.

## किसान चौपाल

पर्यावरण मित्र ने शिकोहाबाद के ग्राम लखनपुर में किसान चौपाल का आयोजन किया। इस चौपाल में 31 किसानों ने भाग लिया।

संस्था के कृषि विशेषज्ञ पुष्पेन्द्र शर्मा एवं ग्रामीण परियोजना के सहायक समन्वयक गौरव वर्मा ने संस्था के उद्देश्यों की जानकारी दी तथा जल, वायु, भूमि एवं ध्वनि प्रदूषण रोकने के लिए किए जा रहे कार्यो के बारे में बताया।

पुष्पेन्द्र शर्मा ने खेती में रासायनिक खाद एवं कीटनाशकों के हो रहे अधिकाधिक प्रयोग एवं हानियों तथा विभिन्न प्रकार की बीमारियों के बारे में प्रकाश डाला। भूमि की कम हो रही उर्वरा शक्ति पर भी किसानों को आगाह किया।

इनसे बचने के लिए जैविक खेती तथा जैविक खाद एवं कीटनाशकों के प्रयोग को अपनाने पर बल दिया। जैविक खाद जैसे–नाडेप और वर्मीकम्पोस्ट एवं कीटनाशक बनाने की विधियों के बारे में जानकारी दी। मेड़ों पर पौधे लगाने एवं मिट्टी की स्वास्थ्य जांच कराने को भी आवश्यक बताया।

Paryavaran Mitra Volunteers delivered information in Kisan Chaupal.

किसान चौपाल में जानकारी देते संस्थाकर्मी।

Farmers in Chaupal.

चौपाल में किसान।

### Farmers' Community Space or Kisan Chaupal

The Kisan Chaupal organized in Shikohabad was attened by 31 farmers. Agriculturist Mr. Pushpendra Sharma along with Gaurav Varma talked to the participants about the organization and also informed the farmers about the steps that were being taken to prevent pollution of air, water and land.

Shri Sharma talked about the chemical fertilisers and its ill effects. He described the impact of these on farming land and its productivity. He strongly recommended using organic fertilizers and methods of organic farming to counter this.

Shri Varma emphasized on the need to keep the villages clean and garbage free. Bajaj Electricals demonstrated ways of saving electricity with a demonstration of the emergency light.

Agriculture is our wisest pursuit,
because it will, in the end, contribute most to real wealth,
good morals and happiness.

Letter from Thomas Jefferson to George Washington (1787)

# जैविक खेती परियोजना से जुड़े सैकड़ों किसान

पर्यावरण मित्र द्वारा 2012 से प्रारम्भ किए गए एक से तीन बीघा जैविक खेती परियोजना से शिकोहाबाद एवं मदनपुर विकास खण्ड के विभिन्न ग्रामों – नगला मिश्री, लखनई, शेरपुरा, जलालपुर, दुधरई खेड़ा, केसरी, कटौरी, रजौरा, लखनपुरा, छटनपुरा, सलेमपुरा, डंडियामई के सैकड़ों किसान जुड़ चुके हैं। किसानों ने पानी, मिट्टी व हवा शुद्ध करने की दिशा में काम करना शुरू कर दिया है।

सितम्बर 2015 तक इस परियोजना से कुल 150 किसान जुड़कर जैविक खेती करने लगे हैं।

पर्यावरण मित्र के कृषि विशेषज्ञ एवं ग्रामीण परियोजना के सहायक समन्वयक गांवों में जाकर किसानों को जैविक खाद एवं कीटनाशक बनाने के तरीकों की जानकारी देते हैं। उनके खेत की तैयारी से लेकर बीज लगाने एवं फसलों का निरीक्षण तथा किसी भी प्रकार की फसल में व्याधि आने पर उनका जैविक विधि से उपचार कराते हैं।

जुड़ने वाले नए किसानों को संस्था की ओर से रबी एवं खरीफ फसल के जैविक बीज उपलब्ध कराए जाते हैं। किसानों को बीज संरक्षण के लिए भी प्रेरित किया जाता है। जिन पुराने किसानों के यहां बीज की समस्या होती है उन्हें भी संस्था की ओर से बीज उपलब्ध कराया जाता है।

सर्वेश कुमार, ग्राम शेरपुरा

अवधेश कुमार, ग्राम शेरपुरा

डा. मुनेश कुमार, ग्राम शेरपुरा

रमेश दुवे, ग्राम रजौरा

सेने लाल, ग्राम नगला मिश्री

श्रीनिवास, ग्राम नगला मिश्री

राम लक्षण, ग्राम नगला मिश्री

नरेश कुमार, ग्राम कटौरी

सतीश कुमार, ग्राम कटौरी

पान सिंह, ग्राम जलालपुर

बलवीर सिंह, ग्राम जलालपुर

बलेश कुमार, ग्राम जलालपुर

आराम सिंह, ग्राम जलालपुर

राधेश्याम, ग्राम जलालपुर

सुरेन्द्र, ग्राम दुधरई खेड़ा

रणवीर सिंह, ग्राम दुधरई खेड़ा

दीवान सिंह, ग्राम दुधरई खेडा

प्रेमशंकर, ग्राम दुधरई खेडा

## Many farmers join the Organic Farming Programme.

Farmers from various villages near Shikohabad have joined the organic farming programme initiated by Paryavayan Mitra in 2012. These include Nagla Mishri, Lakhnai, Sherpura, Jalalpur, Dudhrai Kheda, Kesari, Katauri, Rajaura, Lakhanpura, Chattanpura, Salempura, Indiamai amongst others.

150 farmers had begun active organic farming by September 2015. Agricultirsts and helpers from the various programmes visited the farmers and advised them on the methods of organic farming and use of organic pesticides. This included tips on preparing the farmland and well as sowing seeds; it also covered how to look after the crops and how to treat them in case of disease or pestilence.

The efforts of the farmers along with Paryavaran Mitra is helping the larger cause of saving our farmlands and managing critical resources such as land, air and water.

## जैविक मेले का आयोजन

पर्यावरण मित्र द्वारा तैयार जैविक खाद्य पदार्थों, पुष्प एवं पौधों की प्रदर्शनी लगाई गई। विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर जैविक मेले के माध्यम से लोगों तक संदेश पहुंचाया गया कि हमें अधिक से अधिक मात्रा में जैविक उत्पादों का सेवन करना चाहिए जिससे हमारे अन्दर रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़े और हम एवं हमारी भावी पीढ़ी रोग मुक्त रहे। इस प्रदर्शनी में लहसुन, जई, गेंहूँ, आटा, दलिया, आलू, अलसी, पालक इत्यादि विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थों को प्रदर्शित किया गया। जैविक मेले का अवलोकन सिटी मजिस्ट्रेट श्री रविन्द्र सिंह, एवं श्रीमती कान्ता श्रीवास्तव आदि अनेक गणमान्यों ने किया।

City Magistrate, Ferozabad visited Mela.

जैविक मेला का अवलोकन करते सिटी मजिस्ट्रेट, फिरोजाबाद।

### Organiesd an Organic Farming Exhibition

An Organic Farming exhibition was organized by Paryavaran Mitra and was widely attended. The exhibition covered areas to promote environmental conservation. The importance of organic products was highlighted . Organic produce and products were on display such as garlic, potatoes, spinach, wheat, flour, broken wheat etc. The aim of the exhibition was to promote the significance of holistic health.

## गांधी जयन्ती पर जैविक मेला, गांधी साहित्य एवं फिल्म प्रदर्शनी

''धरती सबकी आवश्यकता पूरी कर सकती है परन्तु किसी का लालच नहीं।''

गांधीजी के मितव्ययिता, प्रकृति संरक्षण एवं पुनर्उपयोग के विचार को नई पीढ़ी के मध्य प्रसारित करने, प्रकृति के प्रति सजग बनाने के लिए पर्यावरण मित्र व्यावहारिक रूप से इस प्रदर्शनी के माध्यम से जानकारी देती है।

2 अक्टूबर को आयोजित प्रर्दशनी का शुभारम्भ करते हुए जिलाधिकारी–फिरोजाबाद विजय किरण आनन्द ने कहा कि गांधीजी के संदेशों को प्रसारित करने का यह उपयुक्त माध्यम है।

इस वर्ष का यह आयोजन क्षेत्रीय श्री गांधी आश्रम प्रागंण शिकोहाबाद में किया गया। प्रदर्शनी में जहां एक तरफ गांधीजी द्वारा लिखित पुस्तकें तथा खादी वस्त्र एवं ग्राम उत्पाद थे, वहीं प्राकृतिक खाद से तैयार अनाज, खाद, फल, बीज, शोभाकारी एवं छायाकारी पौधे उपलब्ध थे।

यह विचार प्रसारित किया गया कि यह धरती, पानी, आकाश, वायु आदि को स्वच्छ, शुद्ध रखने के लिए प्राकृतिक खेती एवं गांधी विचारों को आत्मसात करना होगा।

जिलाधिकारी ने क्षेत्रीय श्री गांधी आश्रम के प्रागंण में पौधा रोपण का शुभारम्भ चितवन का पौधा रोपित कर किया जिसके अंतर्गत 25 पौधे रोपित किए गए।

City Magistrate, Ferozabad visited Mela.

प्रदर्शनी का अवलोकन कर प्रसन्नचित्त मुद्रा में जिलाधिकारी फिरोजाबाद।

Chitvan tree plantation by City Magistrate.

जिलाधिकारी, मंत्री गांधी आश्रम एवं पर्यावरण मित्र कार्यकर्ता द्वारा चितवन का रोपण।

### Organic exhibition, exhibition of Gandhi literature and films on the occasion of Gandhi Jayanti.

Gandhiji had said that our earth can fulfil everyone's needs but not greed of even a single person. On Ocotber 2, Paryavaran Mitra hosted an exhibition of Gandhi literature as well as organic and khadi products. Members of Paryavran Mitra joined their efforts to emphasise the need for a clean environment with the help of Gandhi's way of thinking. The chief guest planted some trees in Shri Gandhi Ashram as a fitting tribute to the occasion.

## फार्मर्स मार्केट, मुम्बई

पर्यावरण मित्र ने फार्मर्स मार्केट, मुम्बई में अपनी सहभागिता विगत सात वर्षों से निरंतर जारी रखी है।

सात वर्षों से चले आ रहे फार्मर्स मार्केट, मुम्बई में शुद्ध जैविक सामग्री (अनाज, बीज, खाद, फल, फूल, पौधे आदि) सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जा रहा है। स्टॉल पर आने वाले उपभोक्ताओं को बिक्री के साथ–साथ जैविक तरीके से उत्पादन करना एवं जैविक खाद सामग्री से होने वाले लाभ के बारे में बताया जाता है।












### Farmer's Market ,Mumbai

Paryavaran Mitra has uninterruptedly been participating in Farmers' Market in Mumbai for the last seven years.

In this Farmers' Market, Mumbai, we are making available pure organic products (grain, seeds, manure, fruits, flowers, plants etc.) directly to the consumers. Apart from the products, the visitors to our stall are informed about the advantages of organic manure as also shown through demonstration organic methods of production.

> What we are doing to the forests of the world is but a mirror reflection of what we are doing to ourselves and to one another.
>
> - MK Gandhi



रासायनिक खाद से बढ़ रहीं बीमारियां

# नीबू (Citrus limon, Linn.)

छोटा पेड़ अथवा सघन झाड़ीदार पौधा है। नीबू के पौधे विभिन्न प्रकार की भूमि में भली प्रकार उगते हैं परंतु दोमट मिट्टी उपयुक्त समझी जाती है। दोमट एक प्रकार की मिट्टी है जो फसलों के लिए अत्यन्त उपजाऊ होती है। इसमें लगभग 40 प्रतिशत सिल्ट, 20 प्रतिशत चिकनी मिट्टी तथा शेष 40 प्रतिशत बालू होता है। नीबू के पौधे बीज एवं कलम से तैयार किए जाते हैं और सामान्यतः बरसात के मौसम में लगाए जाते हैं।

इसकी कुछ प्रमुख किस्में हैं–कागजी नीबू, प्रमालिनी, विक्रम, चक्रधर और साईं शर्बती आदि। इनमें से कागजी नींबू सर्वाधिक महत्वपूर्ण किस्म है। इसके फल प्रायः जनवरी– फरवरी, जून–जुलाई तथा सितम्बर–अक्टूबर में मिलते हैं।

भारत के विभिन्न राज्यों–तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, तेलंगाना, प. बंगाल, पंजाब, दिल्ली, उत्तर प्रदेश आदि में नींबू का उत्पादन किया जाता है।

पर्यावरण मित्र हिन्द परिसर शिकोहाबाद में कागजी एवं देशी प्रजाति के 550 नीबू के पौधे लगे हुए हैं। परिपक्व प्रति पौधों से प्रतिवर्ष लगभग 100 किलोग्राम फल प्राप्त होता है।

पौष्टिक गुण:

- इसका प्रयोग अधिकतर भोज्य पदार्थों में किया जाता है।
- विटामिन सी से भरपूर नीबू स्फूर्तिदायक और रोग निवारक फल है जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के साथ एंटी आक्सीडेंट का काम करता है और कोलेस्ट्राल भी कम करता है।
- नीबू का सेवन करने वाले लोग जुकाम से भी दूर रहते हैं।
- एक नीबू दिन भर की विटामिन 'सी' की जरूरत पूरी कर देता है।
- दिन भर तरोताजा रहने और स्फूर्ति बनाए रखने के लिए एक गिलास गुनगुने पानी में एक नीबू का रस व एक चम्मच शहद मिलाकर पीना चाहिए।
- एक बाल्टी पानी में एक नीबू के रस को मिलाकर गर्मियों में नहाने से दिनभर ताजगी बनी रहती है।
- गर्मी के मौसम में हैजे से बचने के लिए नीबू को प्याज व पुदीने के साथ मिलाकर सेवन करना चाहिए।
- लू से बचाव के लिए नीबू को काले नमक वाले पानी में मिलाकर पीने से दोपहर में बाहर रहने पर भी लू नहीं लगती।

## Lemon (Cirus Limon, Linn) and its benefits

**Introduction:** Small leafy tree. Doesn't need a lot of pruning. Relatively easy to grow on any soil. There are several varieties. The tree fruits mainly during Jan-Feb, June-July and Sept-Oct.

**Nutritional benefits:**

**Cirus Limon, Linn**

Lemon can easily be used in various types of cuisine.

- Rich in Vitamin C
- Presence of Vitamin A,B and C.
- Builds resistance to diseases, cough and colds.
- A glass of warm water with juice of lemn and some honey helps you remain fresh and energetic all day
- A juice of one lemon in a bucket of bath water helps refresh you during warm summer days
- One lemon is sufficient to meet your Vitamin C needs of the day

> The organic story is larger than just the healthy benefits of clean, nutritious foods. Organic farming helps protect our environment - it's that simple.
>
> - Gerald Prolman

# तिल (Sesamum indicum)

तिल (Sesamum indicum) एक पुष्पीय पौधा है। भारत में इसकी खेती और इसके बीज का उपयोग हजारों वर्षों से होता आया है। यह एक खरीफ फसल है जो जुलाई माह के दूसरे पखवारे में लगाई जाती है एवं अक्टूबर माह में इसकी कटाई की जाती है।

तिल दो प्रकार का होता है सफेद और काला। इसकी प्रमुख किस्में –शेखर, प्रगति, तरूण आदि हैं।

भारत में तिल की खेती पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, महाराष्ट, गुजरात कर्नाटक, राजस्थान, मध्य प्रदेश एवम उत्तर प्रदेश में की जाती है।

हिन्द परिसर शिकोहाबाद में विगत तीन वर्षों से सफेद तिल की खेती की जा रही है। 1.30 एकड़ भूमि में 100 किलो ग्राम उत्पादन हुआ।

तिल के गुण और उपयोग :

1. तिलों का सेवन सेहत और सौंदर्य के लिए फायदेमंद होता है। तिलों का सेवन आप कई रूपों में कर सकते हैं जैसे गजक, रेवड़ी आदि। यह शरीर में बल को बढ़ाता है।
2. तिल का तेल शरीर के लिए बहुत ही फायदेमंद है। यह एक आक्सीडेंट है। तिल के तेल से शरीर में मालिश करने से शरीर में बुढ़ापा जल्दी नहीं आता और थकावट भी दूर होती है।
3. तिलों में भरपूर मात्रा में पोषक तत्व तथा विटामिन बी पाया जाता है। कफ जैसी बीमारी को दूर करने में तिलों का सेवन करना फायदेमंद है।
4. तिलों के सेवन से भूख बढ़ती है। यह नर्वस सिस्टम को बल देता है और वात, पित्त और कफ को नष्ट करता है।
5. यह बालों को काला, घना और मजबूत बनाता है।
6. यह त्वचा को सनबर्न से मुक्ति दिलाता है। सर्दियों में तिल के तेल को त्वचा पर लगाने से त्वचा का रूखापन दूर होता है और चेहरे में कांति आती है।

## उपयोग के तरीके:

- त्वचा से संबंधित बीमारी को दूर करने के लिए नियमित तिल के तेल की मालिश करनी चाहिए।
- जले हुए स्थान पर तिल के पेस्ट में थोड़ा घी और गुड़ मिलाकर लगाएं।
- तिल दांतों के लिए बहुत लाभकारी है। दांतों को मजबूत और चमकदार बनाता है। सुबह ब्रश करने के बाद काले तिलों को बारीक चबाकर खाना चाहिए। यदि दांतों के दर्द में राहत के लिए थोड़ा सा तिल के तेल से मुंह में कुल्ला करें।
- तिल के तेल को सिर पर लगाने से बालों की समस्या तो दूर होती है तथा बालों का झड़ना, सफेद होना और गंजेपन की शिकायत दूर करता है।
- पेट में दर्द होने पर थोड़े से काले तिलों को गुनगुने पानी के साथ सेवन करें। कब्ज की शिकायत दूर करने के लिए गुड़ में 50 ग्राम तिल मिलाकर सेवन करना चाहिए।
- जोड़ों में दर्द या कमर का दर्द से राहत के लिए तिल के तेल में थोड़ा हींग और सोंठ डालकर गरम कर मालिश करें।
- पैरों पर मोच आने पर तिलों को पीसकर उसे गरम पानी में डाल दें। इस पेस्ट को मोचवाली जगह पर लेप कर उस पर कपडा बांध दें।
- स्तनपान कराने वाली महिलाओं को दूध में बढ़ोतरी के लिए तिल का सेवन अवश्य करना चाहिए।

## Sesame Seeds

### Til or Sesamum Indicum

This is a flowering plant. Harvesting and use of sesame seeds can be traced back to more than a thousand years. Black and white sesame are the two different types.

### Benefits and use of sesame seeds

- The consumption of sesame seeds is beneficial for health as well as beauty. - Ayurveda recommends sesame seeds as a source of strength. - It prevents cough if taken regularly. - Sesame oil is used as an effective massage oil to maintain youthful skin. - The oil is beneficial to reduce dryness of skin in winter. - It is an effective remedy for sunburn.

### How to use the sesame seed and oil

- Massage all over face and body to reduce dryness. - Black Sesame seeds help maintain heaty teeth. Chew them after your morning brushing ritual for shine and strength. - Rinsing your mouth with sesame seed oil will alleviate toothache. - Massage the oil on your head to reduce hair fall and add strength. - Use it to treat sprain. Make a thick paste and apply on the sprained area. - Use a mix of sesame paste, jaggery and ghee to treat burns. - Mix 50 gms of sesame seeds with jaggery and consume to treat constipation. - Adding sesame seeds to the diet aids lactating mothers.

# महिला हाट की अध्यक्ष एवं सदस्यों द्वारा पर्यावरण मित्र के कार्यों का अवलोकन

आईएमसी लेडीज विंग जानकी देवी बजाज पुरस्कार से सम्मानित महिला हाट की अध्यक्ष कृष्णा बिष्ट एवं सहयोगियों ने पर्यावरण मित्र द्वारा संचालित गतिविधियों का निरीक्षण प्यावरण मित्र की अध्यक्ष किरण बजाज के साथ किया। पर्यावरण मित्र द्वारा वायु, जल एवं भूमि प्रदूषण को कम करने के लिए हिन्द परिसर में किए जा रहे प्रयोगों जैसे वर्षा जल संचयन, लघु वनों का विकास, वन एवं पुष्प पौधशाला, जैविक खाद एवं जैव कीटनाशक के प्रयोग एवं जैविक फसलों तथा जानकी गोनिकेत का अवलोकन कर और उनके बारे में बारीकी से समझा।

पर्यावरण संवाद एवं नेटवर्किंग के तहत महिला हाट की अध्यक्ष एवं उनके सहयोगियो ने पर्यावरण मित्र अध्यक्ष श्रीमती किरण बजाज के साथ कल्पतरू में मीटिंग की। जिसमें पर्यावरण मित्र द्वारा चलाई जा रही पर्यावरण संरक्षण के लिए विभिन्न गतिविधियों के बारे में पॉवर प्वाइंट प्रजेन्टेशन के माध्यम से जानकारी दी गई। महिला हाट की अध्यक्ष ने उनकी संस्था द्वारा चलाई जा रही गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

पर्यावरण मित्र अध्यक्ष किरण बजाज ने कहा कि संगठनों के आपसी विमर्श एवं समन्वित कियाकलापों से समाज के हित में अच्छा कार्य कर सकते हैं।

महिला हाट की अध्यक्ष कृष्णा बिष्ट ने कहा कि इस प्रकार के प्रयोग अनुकरणीय है तथा इस एक दूसरे के गतिविधियों के बारे में जानकर उसे अपनाने का प्रयास किया जाना चाहिए।

उन्होंने हिन्द परिसर स्थित सुन्दर वन में अर्जुन का पौधा भी रोपित किया।

## कृष्णा बिष्ट एवं महिला हाट का परिचय

श्रीमती कृष्णा बिष्ट ने गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद से हिंदी में एम.ए. किया है। वे कुमाऊँ निवासी हैं और यहीं की हरी–भरी वादियों में उनका बचपन बीता । श्रीमती बिष्ट ने इन वंचित महिलाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण देकर सशक्त बनाने व उनका जीवन सँवारने की पहल की। वर्ष 1979 में 'महिला हाट' नामक एनजीओ की शुरूआत की और वर्ष 1987 में इसका पंजीकरण कराया।

महिला हाट का उद्देश्य है उन गरीब महिलाओं की सहायता करना जो मुख्यतः दहाड़ी कर्मचारी हैं और जिन्हें बाजार में अपना उत्पाद बेचने या उसे बढ़ावा देने में समस्याएँ आती हैं। महिला हाट ने इन महिलाओं को आधुनिक बुनाई में प्रशिक्षण देने का निर्णय लिया और इस कार्य हेतु एनआईडी (नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ डिजाइन) के विशेषज्ञों की कम दरों पर सेवाएँ लीं।

महिला हाट को उन गरीब महिला उत्पादकों हेतु सुविधा–केंद्र के रूप में स्थापित किया गया जो मार्केटिंग की कमी, उत्पाद की गुणवत्ता, अपर्याप्त वेतन, कच्चा माल प्राप्त करने में कठिनाई, जैसी समस्याओं का सामना कर रही थीं। महिला हाट ने एनआईडी की मदद से कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया। महिला हाट ने स्व–सहायता समूह बनाकर इन महिलाओं में एकजुटता की भावना विकसित की। इस क्षेत्र में लगभग 45 स्व–सहायता समूह बनाए गए जिन्होंने पैसों की बचत करने, अपना बैंक खाता खोलने, ऋण प्राप्त करने जैसे कार्यों में महिलाओं की मदद की। इन समूहों ने महिलाओं और किशोर लड़कियों में प्राथमिक शिक्षा को प्रोत्साहन दिया, महिलाओं में स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण को लेकर जागरूकता फैलाई और कृषि आधारित गतिविधियों का विस्तार किया।

Rain Water Harvesting - Kiran Bajaj with members of Mahila Haat.

वर्षा जल संचयन अवलोकन - किरण बजाज के साथ महिला हाट की सदस्य।

Members of Mahila Haat getting an insight into vermiculture.

जैविक खाद के बारे में जानकारी प्राप्त करती महिला हाट के सदस्य।

Members of Mahila Haat getting an introduction to the Greenhouse.

हरित गृह के बारे में जानकारी प्राप्त करती महिला हाट के सदस्य।

श्रीमती कृष्णा बिष्ट को दिसंबर 2010 में इंडियन डेवलपमेंट फाउंडेशन द्वारा महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण हेतु पुरस्कार प्रदान किया गया।

उन्होंने बिहार, तमिलनाडु, नागालैंड और उत्तरांचल की महिला उत्पादकों को संगठित करने का काम भी किया। इस हेतु उन्होंने विभिन्न संस्थाओं के साथ अनेक वर्कशॉप, सर्वेक्षण और अध्ययन आयोजित किए हैं।

''हिमालय में खनन के प्रभाव'', इस विषय पर किए गए महत्वपूर्ण अध्ययन में भी वे जानकारी का प्रमुख स्त्रोत रही हैं।

## Mahila Haat

Smt. Krishna Visht, recipient of the prestigious Janaki Devi IMC Ladies Wing Puraskar, along with a few other members of Mahila Haat, met Smt. Kiran Bajaj to get an insight into the activities undertaken by Paryavaran Mitra. This was at Hind Parisar in Shikohabad. The guests were introduced to the various methods adopted by Paryavaran Mitra to reduce water, air and land pollution which covered the key projects such as rain water harvesting, mini forest development, vermiculture, organic fertiliser and the nursery.

A meeting was held at Kalaptaru where both Paryavaran Mitra and Mahila Haat teams exchanged various developments and shared expertise in their fields. Smt. Bajaj emphasised the need for a cohesive approach between partners to benefit society and its causes. Smt. Visht reciprocated the same and was keen to see more knowledge sharing. She planted an Arjun sapling in Sundar Van.

### An introduction to Krishna Visht and Mahila Haat

Smt. Visht completed Master of Arts from Gujarat University in Ahmedabad. She is a native of Kumaon valley and grew up amidst the rich natural beauty. She started Mahila Haat in 1987. Mahila Haat, thus, was conceived as a facilitation centre for poor women producers, who face common problems. The NGO provides skill development training in association with the NID (National Institute of Design), raw material and marketing support and promotes solidarity among them by organizing them in Self Help Groups (SHGs).

The NGO has strategically hired professionals from NID who came forward to help.

The NGO works in a unique way where they divide women into different Self Help Groups that work towards saving money, creating their own bank accounts and getting loans apart from being educated about issues like health, hygiene, nutrition, girl child education, poly houses, vermin compost, pits and more.

Mahila Haat realised that illiteracy hinders the development of women and therefore, women were facing problems in costing, profit analysis, banking, paper works, etc. Moreover, women were restricted from several opportunities like Panchayats, ASHA schemes, etc. To address the same, Mahila Haat has opened 35 literacy centres for imparting formal as well as functional literacy to women of Almora district. Bisht not only convinced the parents for primary education, but also encouraged old age education and adolescent girl education in the area. For this, they have developed one library named 'Shiksha Sansadhan Kender' in Almora, where they conduct one meeting every month and prepare the plan of action for the future.

Krishna Bisht recently received an award from Indian Development Foundation in December 2010 for women empowerment and environment. She worked to organise the women producers in Bihar, Tamil Nadu, Nagaland and Uttaranchal. For this task, she organised different workshops, surveys and studies with women producers of different organisations.

Jankidevi Bajaj Puraskar 2014 felicitated Krishna Bisht for her support towards social acts and upliftment of women at the grassroot level. The jury decided on Krishna Bisht for her courage and act of bravery towards helping rural women to start off their own business by teaching them skills required to turn them into a self-supporting entrepreneurs.

Every time you buy organic, you're persuading more farmers to grow organic.

# हिन्द परिसर के भ्रमण के बाद पर्यावरण मित्र की आजीवन सदस्य श्रीमती अनुला के मनोभाव

पर्यावरण मित्र की आजीवन–सदस्य श्रीमती अनुला के मनोभाव जो हिन्द परिसर में उन्होंने संस्था की गतिविधियों को देखकर प्रकट किये।

शांत, सुदर, आनंददायक–ऐसी थी हमारी शिकोहाबाद–यात्रा। किरण मामी के साथ बिताये गये दो मज़ेदार दिन–इस जगह को उनसे अलग किया ही नहीं जा सकता। वे तो जैसे पेड़ ही बन गई हैं–दृढ़, उदार, संवेदनशील। इस जगह आकर ऐसा लगा जैसे एक लंबे सफर के बाद कोई थका यात्री किसी पेड़ के नीचे बैठकर आराम करता है। पर्यावरण के प्रति उनका जो गहरा लगाव है वह शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। इस यात्रा से मेरी तो आंखें खुल गईं। अब मैं पेड़ को किसी पत्तीनुमा ढांचे की तरह नहीं बल्कि एक मूक इंसान की तरह देखती हूं। जो आनंद और भव्यता इन पेडों से मुझे मिलती है वह बहुत गहरी है। शिकोहाबाद में जो कार्य हो रहा है वह पूरे देश में फैलना चाहिए। यही वक्त की जरूरत है। इस तरह के कार्य से हम मानवता के लिए यहीं धरती पर स्वर्ग की रचना कर सकते हैं।

Anula Goenka visiting the nursery. पौधशाला का निरीक्षण करते गोयनका।

Paryavaran Mitra staff explaining the process of filling soil in pots. गमले भरने के तरीके के बारे में बताते पर्यावरण मित्र कार्यकर्ता।

**Smt. Anula, Life Member, Paryavaran Mitra –**
**A tour of the premises and insight into Paryavaran Mitra activities.**

Highlights of Smt. Anula's visit were the efforts undertaken by Paryavaran Mitra to reduce water, land and air pollution. These included water collection, developing mini forests, floral nursery, organic manure project and organic pest control. Smt. Anula planted a jamun tree in the Jamnalal mini forest.

**A write up from Anulaji**

Serene, calm, joyful, beautiful was our trip to Shikohabad. The most enjoyable 2 days with Kiran Maami, I cannot separate the place from her. She has extended herself to the trees. Strong, bountiful, caring & giving. The best way I can describe my feeling is the way a weary traveller feels when he rests under a tree after a long journey, that is exactly how I felt. No words can describe her care towards the environment. The trip was an eye opener & I have started seeing trees more as silent people that just a tall structure with leaves. The beauty & joyfulness I receive from them is immense. The work done in Shikohabad needs to spread vastly all over the country & is the need of the hour. This is the true heaven which are can create can create for humanity.

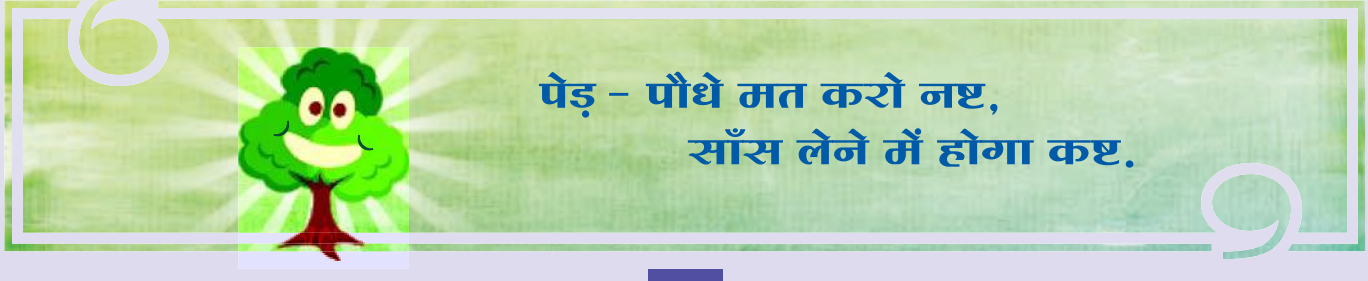

# पर्यावरण मित्र की सलाहकार व 'प्रयास' न्यूजीलैण्ड की संस्थापक श्रीमती सुदीप्ता व्यास का हिन्द परिसर में भ्रमण

पर्यावरण मित्र की सलाहकार सुदीप्ता व्यास ने किरण बजाज के साथ संस्था द्वारा हिन्द परिसर में संचालित गतिविधियों का अवलोकन किया।

हिन्द परिसर स्थित कल्पतरू में पत्रकार वार्ता में सामाजिक संचार विशेषज्ञ एवं मनौवैज्ञानिक सुदीप्ता व्यास ने पर्यावरण एवं संस्कृति विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। न्यूजीलैंड की संस्कृति पर प्रकाश डालते हुये सुदीप्ता व्यास ने कहा कि न्यूजीलैंड में लोग एक दूसरे को साथ लेकर चलते हैं। वहां शांति है, बगीचे हैं, लोगों को प्रकृति से प्यार है। बगीचों में विकलांग और अंधे व्यक्ति भी काम करते हैं। इसके लिए सरकार उन्हें ट्रेनिंग देती है और धन भी मुहैया कराती है। उन्होंने कहा कि वहां के लोग भारतीय संस्कृति व कला के प्रति आदर का भाव रखते हैं। भारत के लोग भी करने लगें तो कितनी भूमि सुधर सकती है।

सुदीप्ता व्यास ने हिन्द परिसर स्थित कमलनयन कानन में अमलतास का पौधा भी रोपित किया।

## सुदीप्ता व्यास का परिचय

सुदीप्ता व्यास ने मनोविज्ञान से स्नातकोत्तर के साथ–साथ, सामाजिक संचार से भी स्नातकोत्तर का डिप्लोमा प्राप्त किया।

न्यूजीलैण्ड में सुदीप्ता व्यास ने जाने–माने डायरेक्टर एवं रंग–मंच के विशेषज्ञों जैसे मार्गेट मैरी हालेंस, अहिकरूणाकरण, लॉरेन डिवायन और अमित ओहदेदार के साथ काम किया। सुदीप्ता व्यास ने अपने कार्यकाल में 'प्रयास' को न्यूजीलैण्ड के ऑकलैण्ड में एक ब्राण्ड बनाने का कार्य किया है। सुदीप्ता ने, जिन्हें कला से बहुत प्रेम है, भारत की कई कहानियों को अंग्रेजी भाषा में रूपांतरित कर न्यूजीलैण्ड में सफलता से मंच पर प्रस्तुत किया।

सुदीप्ता व्यास न्यूजीलैण्ड की प्रतिष्ठित अन्तर्राष्ट्रीय स्वयंसेवी संस्था ''ब्लाइण्ड फाउण्डेशन'' में स्वयंसेवी सेवा प्रबन्धक के पद पर कार्यरत हैं। व्यापक अनुभव रखने वाली सुदीप्ता विगत कई वर्षों से स्वयंसेवी सेवा कार्यों से जुड़ी हुई हैं एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर कार्य कर रही हैं।

पर्यावरण मित्र एवं 'शब्दम्' के साथ सुदिप्ता व्यास का बहुत पुराना सम्बन्ध है। उन्होंने कई लेख अंग्रेजी से हिन्दी एवं हिन्दी से अंग्रेजी में अनूदित किए हैं।

न्यूजीलैण्ड के आकलैण्ड शहर में वर्ष 2005 में अलाभकारी संस्था 'प्रयास' का उदय भारतीय कला एवं संस्कृति को रंग–मंच के माध्यम से न्यूजीलैण्ड समुदाय में प्रोत्साहित करने के लिए हुआ। 'प्रयास' अब आकलैण्ड रंग–मंच में अपनी पूर्ण पहचान बना चुका है। 'प्रयास' नवोदित कलाकारों को आगे बढ़ने के लिए अवसर प्रदान करता है।

Sudeepta Vyas planting a sapling. पौधा रोपित करती सुदीप्ता व्यास।

In conversation with the Vice President and other officers of Hind Lamps. हिन्द लैम्पस् के उपाध्यक्ष एवं अन्य विभागध्यक्षों के साथ वार्ता करती पर्यावरण विद् सुदीप्ता व्यास।

In a group photo with President, Paryavaran Mitra Kiran Bajaj and members of the media. पर्यावरण मित्र अध्यक्ष किरण बजाज एवं स्थानीय पत्रकारों के साथ समूह छायांकन।

## From New Zealand to Shikohabad - A visit to Hind Parisar by Paryavran Mitra consultant Sudeepta Vyas

Sudeepta Vyas visited Hind Parisar to catch up with the latest developments and activities of Paryavaran Mitra. Kiran Bajaj also accompanied her on this fruitful tour.

Sudeepta presented her views on art, culture and environment. She also gave a glimpse about life in New Zealand. She mentioned how environment is a very hot topic and everyone is conscious of their clean and green surroundings.

Prayas Theatre, co-founded by Sudeepta was also discussed. This theatre group presents Indian plays in English to the wider New Zealand audience.

The two day tour ended with Sudeepta planting the 'amaltas' in Kamalnayan Kanan in Hind Parisar. The work done by Paryavaran Mitra and its team left a lasting impression on her mind.

**Sudeepta Vyas – an introduction**

Sudeepta Vyas has done her masters in Psychology and took her post graduation diploma in Social Communication. She is working as Honorary Service Manager of an internationally renowned NGO-Blind Foundation-in New Zealand. She has a long experience in voluntary service.

Sudeepta is also an art lover, and is among the founders of 'Prayas'- an NGO in Auckland (New Zealand) devoted to presenting Indian art and culture in the community of New Zealand through theatre. She has worked with well known directors and theatre personalities to stage English version of Indian stories.

Sudeepta has been associated with Paryavaran Mitra and its sister NGO- Shabdam since their inception.

---

## पर्यावरण मित्र मुंबई में

'पर्यावरण मित्र नक्कड़ नाटक मंडली' ने दक्षिण मुंबई के प्रमुख स्थलों पर कार्यक्रमों द्वारा पर्यावरण बचाओ का गंभीर संदेश प्रचारित किया।

## Paryavaran Mitra in Mumbai

Serious message – "Save Paryavaran Save Yourself & Your Future Generation" was spread through entertainment by the "Paryavaran Mitra Street Pays Team" at various landmark locations in South Mumbai.

Marine Drive मरीन ड्राइव

Gateway of India गेटवे ऑफ इंडिया

CST Railway Station सीएसटी रेलवे स्टेशन

Flora Fountain फ्लोरा फाउंटेन

Reay Road Railway Station रे रोड रेलवे स्टेशन

## मुंबई मैराथॉन

## Mumbai Marathon

नववर्ष स्वागत यात्रा, डोंबिवली, महाराष्ट्र

New Year Welcome Rally Dombivali, Maharashtra

It is quite possible to leave your home for a walk in the early morning air and return a different person – beguiled, enchanted.

# पर्यावरण मित्र
## Friends of Environment

**Green Movement:**
- Tree Plantation
- Development of small forests Green Belts
- Nursery Development Indoor/Outdoor

**Organic Farming:**
- Soil Testing
- Organic Manure and pesticides
- Organic Kitchen Garden
- Organic Agriculture
- Organic Fruit & Medicinal Plants

**Water Conservation:**
- Rain Water Harvesting
- Water Purification
- ETP in factories
- Revival of ponds and water bodies

**Cleanliness Drives Training:**
- Discussion & Interactions with School & College Students, Farmers and Doctors

**Awareness Programme:**
- Celebration of the important international environment days
- Wall writing
- Rallies and Seminars
- Street Plays and Drawing & Painting Contests
- Campaign against plastic, tobacco, noise pollution
- Exchange of information & Projects with other NGO's

**हरित आंदोलन:**
- वृक्षारोपण
- लघु वनों का विकास
- ग्रीन बेल्ट
- नर्सरी का विकास–घर के अंदर/बाहर

**जैविक खेती:**
- मिट्टी परिक्षण
- जैविक खाद एवं कीटनाशक
- जैविक किचन गार्डन
- जैविक कृषि
- जैविक फल एवं औषधि पौधे

**जल संरक्षण:**
- वर्षा जल संचयन
- जल शुद्धिकरण
- कारखानों में ईटीपी
- तालाबों और जलाशयों का पुनरुद्धार

**स्वच्छता अभियान प्रशिक्षण:**
- स्कूल और कॉलेज विद्यार्थियों, किसानों एवं डॉक्टरों से चर्चा एवं बातचीत

**जागरूकता कार्यक्रम:**
- महत्वपूर्ण विश्व पर्यावरण दिवस मनाना
- वाल राइटिंग
- रैलियां और गोष्ठियां
- नुक्कड़ नाटक तथा चित्रकला प्रतियोगिताएं
- प्लास्टिक, तम्बाकू, ध्वनि प्रदूषण के विरुद्ध अभियान
- अन्य गैर–सरकारी संगठनों के साथ परियोजनाएं और सूचनाओं का आदान–प्रदान

## Paryavaran Mitra Managing Committee:

| | |
|---|---|
| President | : Kiran Bajaj |
| Vice President | : Shekhar Bajaj |
| Secretary | : Mangesh Patil |
| Dy.Secretary | : Hari Om Sharma |
| Treasurer | : Srikant Pandey |
| Dy.Treasurer | : Chetan Bhanushali |
| Executive Committee | : Mukul Upadhyaya, Praful Phadke Dr. A.k. Ahuja, Dr. Rajni Yadav Manmohan Singh, Raj Kishor Singh, Abhay Dixit, Deepak Ohri |
| Auditor | : Shikhar Sarin |

## पर्यावरण मित्र संचालक समिति:

| | |
|---|---|
| अध्यक्ष | : किरण बजाज |
| उपाध्यक्ष | : शेखर बजाज |
| सचिव | : मंगेश पाटील |
| उपसचिव | : हरिओम शर्मा |
| कोषाध्यक्ष | : श्रीकांत पाण्डेय |
| उपकोषाध्यक्ष | : चेतन भानुशाली |
| कार्यसमिति सदस्य | : मुकुल उपाध्याय, प्रफुल्ल फडके, डॉ. ए.के. आहूजा, डॉ. रजनी यादव, मनमोहन सिंह, राजकिशोर सिंह, अभय दीक्षित, दीपक औहरी |
| लेखा परीक्षक | : शिखर सरीन |


**Contact :-**

**Mumbai:** Kiran Bajaj - President, Praful Phadke
Bajaj Electricals Ltd., 701, 9th Floor, Rustomjee Aspiree,
Bhanu Shankar Yagnik Marg, Sion, Mumbai - 400 022.
Ph.: 24064200 Mob.: 09920949434
E-mail: Paryavaran.mitra@bajajelectricals.com
Website: www.paryavaranmitra.org

**Shikohabad:**
Shashikant Pandey (09897595419),
Mohit Jadon (09358361489)
Hind Lamps Ltd., Shikohabad, Dist : Firozabad (U.P.), 283141
Phone No.: 05676-234018 F: 05676-234018, 234300.
E-mail: pmhoskb@gmail.com

**सम्पर्क :**

**मुम्बई :** किरण बजाज – अध्यक्ष, प्रफुल फडके,
बजाज इलैक्ट्रिकल्स लि., ७०१, ९ माला, रुस्तमजी अस्पायरी,
भानुशंकर याज्ञिक मार्ग, सायन, मुम्बई : ४०००२२.
टे: २४०६४२०० मो.: ०९९२०९४९४३४
ई–मेल: Paryavaran.mitra@bajajelectricals.com
वेब साइट: www.paryavaranmitra.org

**शिकोहाबाद:**
शशिकान्त पाण्डेय (०९८९७५९५४१९),
मोहित जादौन (०९३५८३६१४८९)
हिन्द लैम्प्स लि. शिकोहाबाद, जिला: फिरोजाबाद (उ.प्र.), २८३१४१
फोन नं.: ०५६७६–२३४०१८ फैक्स: ०५६७६–२३४०१८, २३४३००
ई–मेल: pmhoskb@gmail.com